छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 59 ■ अम्बिकापुर, शनिवार 21 फरवरी 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

अंबिकापुर से दिल्ली सीधी हवाई सेवा के लिए एलायंस एयर ने शेड्यूल किया जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर से दिल्ली के लिए सीधी हवाई सेवा की शुरुआत क्षेत्रीय विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सेवा 29 मार्च से एलाइंस एयर द्वारा 72 सीटर विमान के साथ शुरू होगी, जो अंबिकापुर को देश की राजधानी से सीधे जोड़ेगी। व्हाया बिलासपुर चलने वाली यह उड़ान सप्ताह में दो दिन सोमवार और बुधवार को संचालित होगी, जिससे यात्रियों को सुविधाजनक विकल्प मिलेगा। एलाइंस एयर ने 29 मार्च से 24 अक्टूबर तक का शेड्यूल जारी किया है, जिसमें दिल्ली से अंबिकापुर और वापसी की टाइमिंग शामिल है।

बड़े विमानों के लिए तैयार है मां महामाया एयरपोर्ट

मां महामाया एयरपोर्ट, जो अंबिकापुर से 12 किमी दूर दरिमा में है, जो बड़े विमानों के लिए तैयार है। अनियमित उड़ानें, ज्यादा किराया और एयरपोर्ट की दूरी से यात्री सड़क मार्ग चुनते थे, अब 72 सीटर विमान से ये समस्याएं दूर होंगी। यह सेवा सरगुजा को राष्ट्रीय स्तर पर जोड़ेगी, पर्यटन बढ़ाएगी और रोजगार सृजित करेगी। सरगुजा के प्राकृतिक सौंदर्य और आदिवासी संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर प्रमोशन मिलेगा, व्यापारी दिल्ली बाजार से जुड़ेंगे, और छात्र-रोगी आसानी से पहुंच सकेंगे। मां महामाया एयरपोर्ट का विकास उड़ान योजना के तहत हुआ, लेकिन फ्लाई बिग की 19 सीटर सेवा आठ महीने से बंद है। भविष्य में अन्य शहरों से कनेक्शन बढ़ सकते हैं, जो छत्तीसगढ़ के विकास को गति देंगे। यात्रियों को सलाह है कि एडवांस बुकिंग करें।

उड़ान शेड्यूल इस प्रकार है

सोमवार को विमान संख्या 91613 दिल्ली से सुबह 7.50 बजे उड़ान भरकर 10.25 बजे बिलासपुर पहुंचेगा, वहां 25 मिनट ठहराव के बाद 10.50 बजे अंबिकापुर के लिए रवाना होकर 11.40 बजे पहुंचेगा। वापसी में विमान संख्या 91714 अंबिकापुर से दोपहर 12.05 बजे दिल्ली के लिए उड़ान भरेगा और 14.35 बजे पहुंचेगा। बुधवार को विमान संख्या 91713 दिल्ली से 7.50 बजे उड़ान भरकर 10.25 बजे अंबिकापुर पहुंचेगा। वापसी में 10.50 बजे बिलासपुर के लिए रवाना होकर 11.40 बजे पहुंचेगा, फिर 25 मिनट ठहराव के बाद 12.05 बजे दिल्ली के लिए उड़ान भरेगा और 14.50 बजे पहुंचेगा। यह शेड्यूल यात्री सुविधा को ध्यान में रखकर बनाया गया है।

वीजीएफ करती है एयरलाइंस को घाटे की भरपाई

इस नई सेवा का महत्व सिर्फ कनेक्टिविटी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सरगुजा जैसे आदिवासी बहुल इलाके के लिए आर्थिक उन्नति का द्वार खोलेगी। पहले 19 सीटर विमान की अनियमित उड़ानें बंद होने से यात्री निराश थे, लेकिन 72 सीटर विमान से क्षमता बढ़ेगी और किराया भी प्रतिस्पर्धी होगा। वीजीएफ (व्यवहार्यता अंतर निधि) मोड सरकार की वह योजना है जो एयरलाइंस को घाटे की भरपाई करती है, ताकि दूरदराज के रूट्स पर सेवाएं चालू रहें। भारत में यह योजना छोटे हवाई अड्डों को लाभकारी बनाती है, जहां शुरुआत में यात्री कम होते हैं। उदाहरण के लिए, कई क्षेत्रीय रूट्स पर तीन साल तक वीजीएफ दिया जाता है, इसके बाद लाभ होने पर बंद कर दिया जाता है। अंबिकापुर के मामले में यह सुनिश्चित करेगा कि सेवा स्थिर रहे, भले यात्री संख्या कम हो। वीजीएफ मोड विमानन क्षेत्र में गैर-लाभकारी रूट्स को संचालित रखती है। अंबिकापुर जैसे पिछड़े क्षेत्रों में यह जरूरी है, जहां शुरुआत में यात्री कम होते हैं। योजना के तहत तीन साल तक सहायता दी जाती है, इसके बाद रूट लाभकारी बन जाता है। इससे क्षेत्रीय असमानता कम होती है और आर्थिक विकास होता है।

मां महामाया एयरपोर्ट से यह सेवा शुरू होने से सरगुजा क्षेत्र के लोग अब दिल्ली पहुंचने के लिए लंबी सड़क यात्रा या ट्रेन के बजाय हवाई मार्ग चुन सकेंगे, जो समय और प्रयास बचाएगा।

इस पहल से पर्यटन, व्यापार और चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में गति आएगी, क्योंकि दिल्ली से जुड़ाव सरगुजा के आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा। केंद्र सरकार की उड़ान योजना के तहत विकसित इस एयरपोर्ट का उपयोग अब बड़े विमानों के लिए होगा, जो पहले की अनियमित सेवाओं की कमियों को दूर करेगा। वीजीएफ मोड पर परिचालन से सुनिश्चित होगा कि शुरुआती घाटा होने पर भी सेवा जारी रहेगी, जो क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत बनाएगा। सांसद चिंतामणि महाराज की पहल से यह संभव हुआ, जिन्होंने केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर अंबिकापुर की जरूरतों को सामने रखा।

अंबिकापुर-बनारस मुख्य मार्ग पर बर्थडे मनाने व आतिशबाजी करने वाले 7 गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन सूरजपुर। अंबिकापुर-बनारस मार्ग पर यातायात बाधित कर जन्मदिन मनाते हुए आतिशबाजी करने वाले 7 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। 16 फरवरी की रात्रि करीब 10-11 बजे अंबिकापुर-बनारस मार्ग पर सोनवाही आरव रेस्टोरेंट के सामने अमितेश गुप्ता, अंशुल अग्रवाल व उसके 4-5 अन्य साथियों के द्वारा लोक मार्ग में वाहन खड़ी करके यातायात बाधित करते हुए जन्मदिन मनाते हुए आतिशबाजी किए थे। इस मामले में चौकी लटोरी थाना जयनगर पुलिस द्वारा धारा 285, 126(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया था।

मामले को गंभीरता से लेते हुए डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के द्वारा आरोपियों की पतासाजी कर धरपकड़ हेतु पुलिस की 2 टीमें गठित की गई थी। इसके बाद पुलिस की टीमें लगातार आरोपियों के मिलने के संभावित स्थानों पर दबिश देने में लगी हुई थी। इसी बीच प्राप्त सूचना व तकनीकी मदद से पुलिस टीमों ने कई स्थानों पर दबिश देकर आरोपी अमितेश गुप्ता उर्फ जानू पिता राकेश गुप्ता 24 वर्ष वार्ड क्रमांक 44 अंबिकापुर, अंशुल अग्रवाल पिता सोहन लाल अग्रवाल 25 वर्ष अंबिकापुर, प्रथम अग्रवाल पिता प्रमोद अग्रवाल 24 वर्ष मणीपुर अंबिकापुर, शुभम अग्रवाल पिता सुभाष अग्रवाल 23 वर्ष कुण्डला सिटी अंबिकापुर, महेश साहू पिता विनय साहू 27 वर्ष निवासी बिलासपुर चौक अंबिकापुर, निखिल रामा पिता तुलसी राम 26 वर्ष जनपदपारा अंबिकापुर व अरूण देवांगन पिता कैलाश प्रसाद देवांगन 39 वर्ष लटोरी को पकड़ा गया।

आरोपियों के द्वारा सार्वजनिक स्थान पर अनावश्यक खतरनाक तरीके से बाधा उत्पन्न करने, गाड़ी खड़ी करना तथा फटाका फोड़ना पाए जाने पर धारा 287, 288 बीएनएस व एमव्ही एक्ट की धारा 184, 201 जोड़कर सातों आरोपियों को गिरफ्तार किया है, साथ ही दो नग चार पहिया वाहन कार जप्त किया गया है। कार्रवाई में चौकी प्रभारी लटोरी अरूण गुप्ता, प्रधान आरक्षक रामनिवास तिवारी, आरक्षक विकास मिश्रा, संतोष जायसवाल, सुनील एक्का, शोभनाथ कुशवाहा व साइबर सेल की टीम सक्रिय रही।

स्कार्पियो वाहन लूट के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। स्कार्पियो वाहन लूट के मामले में पुलिस ने एक अंतर्राज्यीय आरोपी को साइबर सेल एवं थाना दरिमा पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस टीम ने पूर्व में लूटी गई स्कार्पियो वाहन को कटघोरा से बरामद किया था। आरोपी वाहन छोड़कर फरार हो गए थे। अन्य आरोपी घटना दिनांक से फरार हैं, जिनके तलाश में पुलिस लगी है।

जानकारी के मुताबिक अंकित सिन्हा निवासी भट्टी रोड केदारपुर ने 10 फरवरी को थाना दरिमा में मौखिक रिपोर्ट दर्ज कराया था कि उसके मोबाईल पर परिचय के पंचर दुकान वाले व्यक्ति का फोन आया और वह बताया कि कुछ लोगों को मैनपाठ घूमने जाना है, और पुराना बस स्टैण्ड के पास आने के लिए कहा। वह स्वयं अपना स्कार्पियो वाहन क्रमांक सीजी 16 सीजे 5333 को लेकर पुराना बस स्टैण्ड पहुंचा, और 04 लोगों को बैठाकर मैनपाठ ले गया। विभिन्न जगहों पर घुमाने के बाद शाम को वापस आते समय गाड़ी में सामने बैठा एक व्यक्ति उल्टी आने की बात कहकर गाड़ी रुकवाया तो वह गाड़ी को साइड में रोक दिया। इसके बाद पीछे बैठा एक व्यक्ति बेल्ट से उसके गले को दबाकर पीछे की ओर खींचने लगा। वह जैसे-तैसे बेल्ट को गले से निकालकर वाहन का गेट खोला और कूदकर भागने लगा। चारों व्यक्ति उसे दौड़ाकर पकड़ने की कोशिश किए, तो वह सड़क के किनारे एक गड्ढे में कूदकर छिप गया था। इसके बाद चारों व्यक्ति स्कार्पियो वाहन से उसके मोबाइल फोन को सड़क के किनारे फेंक दिए और वाहन को लेकर भाग गए। रिपोर्ट पर थाना दरिमा में धारा 309 (3) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर पुलिस अग्रिम जांच कर रही थी। इसी क्रम में आरोपियों के फरार होने के सभी संभावित रास्तों पर नाकेबंदी के बीच आरोपी स्कार्पियो वाहन को छोड़कर फरार हो गए। स्कार्पियो वाहन को पुलिस टीम ने कटघोरा से लावारिस हालत में जप्त किया था। फरार आरोपियों के तलाशी दौरान साइबर सेल से तकनीकी जानकारी प्राप्त करके पुलिस ने एक आरोपी गोविन्द पटेल पिता राजू पटेल 21 वर्ष, निवासी बसंतपुर दफाई अमलाई जिला अनूपपुर मध्य प्रदेश को हिरासत में लिया और स्कार्पियो वाहन के मालिक से शिनाख्त कराया तो वह आरोपी को पहचान लिया। पूछताछ में आरोपी ने घटना कारित करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश किया है, अन्य आरोपियों के तलाश में पुलिस टीम लगी है। कार्रवाई में थाना प्रभारी दरिमा निरीक्षक राजेश खलखो, साइबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, विकास सिन्हा, जयदीप सिंह, सुजीत पाल, आरक्षक जितेश साहू सक्रिय रहे।

बैल चराने गई महिला गड्ढे में गिरी, इलाज दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बैल चराने के लिए नाला की ओर गई एक महिला गड्ढे में अचेत हालत में मिली। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक प्रेमनगर, पंडोपारा की पांचो बाई पति राम प्रसाद बरगाह 65 वर्ष, 16 फरवरी को बैल चराने के लिए महेशपुर नाला की ओर गई थी। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर स्वजन खोजबीन करने के लिए निकले, तो बैल नाला के आसपास चल रहे थे, वहीं महिला आसपास नजर नहीं आई। खोजबीन के दौरान वृद्ध महिला अचेत अवस्था में एक गड्ढे में सिर के बल पड़ी मिली। स्वजन उसे प्रेमनगर स्वास्थ्य केन्द्र लेकर गए, यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद रेफर करने पर सूरजपुर जिला अस्पताल, पुन: मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन सुपुर्द कर दिया है।

अज्ञात वाहन की ठोकर से घायल की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बलरामपुर जिला के राजपुर थाना अंतर्गत ग्राम बूढ़ाबगीचा निवासी मनोज मुण्डा पिता परमेश्वर मुण्डा 46 वर्ष की अज्ञात वाहन की ठोकर से घायल हो गया, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक 19 फरवरी को मणिपुर थाना क्षेत्र के ग्राम लोधिमा में दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आया था। शाम को वापस घर आने के लिए पैदल ही गाड़ी देखने जा रहा था, इसी दौरान अज्ञात वाहन का चालक लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उसे ठोकर मार दिया। घायल अवस्था में गांव के लोग उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां इलाज के बीच वह दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है। शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया है।

दूषित पानी की पुष्टि के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, पीलिया के 42 मरीज मिले

मोमिनपुरा इलाके में जांच के दौरान पानी के नमूनों में बैक्टीरियल लोड पाया गया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के मोमिनपुरा क्षेत्र में पीलिया के बढ़ते मामलों से स्वास्थ्य विभाग चिंतित है, यहां अब तक 42 से अधिक पीलिया से पीड़ित मिले हैं। लगातार सामने आ रहे मामलों के बीच कराई गई पानी की जांच में दूषित पानी मिलने से स्थिति और गंभीर हो गई है।

शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ की टीम ने 14 फरवरी को प्रभावित मोहल्ले के कई घरों से पीने के पानी के सैंपल लिए थे। इन सैंपलों को जांच के लिए राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में भेजा गया। जांच रिपोर्ट में कई सैंपलों में बैक्टीरियल संक्रमण की पुष्टि हुई। माइक्रोबायोलॉजी विभाग की रिपोर्ट के अनुसार कुछ नमूनों में 22 से 28 एमपीएन प्रति 100 मिलीलीटर तक बैक्टीरियल लोड पाया गया, जो पीने योग्य पानी की श्रेणी में नहीं आता है। विभाग के अनुसार क्लोरीनयुक्त पानी में एमपीएन की मात्रा शून्य होनी चाहिए। 10 से अधिक एमपीएन को संदिग्ध और 50 से अधिक को अत्यधिक प्रदूषित माना जाता है।

रिपोर्ट में फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की मौजूदगी दर्ज की गई है, जो जलजनित बीमारियों जैसे पीलिया, टाइफाइड और अन्य संक्रमणों का कारण बन सकते हैं। स्थिति को गंभीर मानते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रेम सिंह मार्को ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) को पत्र लिखकर जल स्रोत की जांच और सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नगर निगम को भी सूचना प्रेषित की है, ताकि जल आपूर्ति व्यवस्था की तत्काल समीक्षा की जा सके। डॉ. मार्को ने बताया कि शुरुआती 10-15 मरीज सामने आने के बाद ही पानी की जांच कराई गई थी, जिसमें सामान्य से अधिक एमपीएन पाया गया। अब मरीजों की संख्या बढ़कर 42 हो गई है, जिससे विभाग सतर्क है। इधर माइक्रोबायोलॉजी विभाग ने जल स्रोत के डिसइंफेक्शन, पंप और प्लेटफॉर्म के नियमित रख-रखाव तथा संरचनात्मक खामियों को दूर करने की सलाह दी है। पर्याप्त शुद्धिकरण के बाद ही पानी को उपयोग योग्य माना जाएगा।

वैकल्पिक जल स्रोत तलाश रहे लोग

मोमिनपुरा क्षेत्र में लगातार बढ़ते पीलिया के मरीजों और पानी दूषित पाए जाने की खबर से चिंता बढ़ गई है। कई परिवार वैकल्पिक जल स्रोत तलाश रहे हैं। अब लोगों की निगाहें प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी है कि कब तक शुद्ध पेयजल की व्यवस्था बहाल होगी। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से उबालकर पानी पीने और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने की अपील की है।

एसएसपी ने जनरल परेड की सलामी ली, बेहतर टर्नआऊट पर दिया ईनाम

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा ने जनरल परेड की सलामी लेकर बेहतर टर्नआऊट वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को ईनाम देकर प्रोत्साहित किया। शस्त्रागार, स्टोर शाखा एवं पुलिस बैंक का निरीक्षण कर शस्त्रों के बेहतर रख-रखाव, वाहनों के मेंटनेंस एवं रिकॉर्ड व वाहन शाखा में शासकीय वाहनों के रख-रखाव एवं ड्रायवर डायरी अद्यतन रखने के निर्देश दिए।

रक्षित केंद्र अम्बिकापुर में 20 फरवरी को आयोजित जनरल परेड की सलामी डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल ने ली। परेड निरीक्षण दौरान डीआईजी एवं एसएसपी ने पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों के टर्न आउट का निरीक्षण कर बेहतर वेशभूषा धारण करने वाले पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को ईनाम देकर प्रोत्साहित किया। जनरल परेड के दौरान टोली बनाकर परेड कराया गया। परेड के मधुर धुन के लिए सुसज्जित पुलिस बैंड टीम का भी उन्होंने निरीक्षण किया। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा ने वाहन शाखा का निरीक्षण करते हुए सभी शासकीय वाहनों का बारीकी से जांच करके वाहनों के रख-रखाव पर विशेष ध्यान देने कहा, तत्पश्चात पुलिस लाइन के शस्त्रागार व स्टोर शाखा का निरीक्षण कर आर्म्स एम्युनेशन के रख-रखाव एवं रिकार्ड का बेहतर तरीके से संधारण करने के निर्देश दिए। अधिकारियों व जवानों की सुविधा के लिए खोले गए पुलिस कल्याण कैंटीन एवं पुलिस बैंक का लाभ लेने प्रेरित किया। जनरल परेड के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो, नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल, रक्षित निरीक्षक तृप्ति सिंह राजपूत सहित थाना, चैकी एवं कार्यालय के पुलिस अधिकारी-कर्मचारी उपस्थिति रहे।

थल सेना में अग्निवीर भर्ती हेतु 1 अप्रैल तक आवेदन आमंत्रित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। भारतीय थलसेना में अग्निवीर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 13 फरवरी 2026 से प्रारंभ हो चुकी है। इच्छुक अभ्यर्थी 1 अप्रैल 2026 तक आधिकारिक वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि भर्ती के अंतर्गत अग्निवीर (पुरुष) जनरल, तकनीकी, लिपिक/स्टोर कीपर, ट्रेडमैन (दसवीं एवं आठवीं उत्तीर्ण) तथा अग्निवीर महिला (सेना पुलिस) सहित स्थायी कैडर नर्सिंग असिस्टेंट, नर्सिंग असिस्टेंट (वेट) एवं सिपाही फार्मा के पदों पर भर्ती की जाएगी। ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (सीईई) 1 जून से 10 जून 2026 के मध्य आयोजित किए जाने की संभावना है। परीक्षा से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश समय-समय पर आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किए जाएंगे। अभ्यर्थी किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के समीप स्थित सेना भर्ती कार्यालय, नया रायपुर के दूरभाष क्रमांक 0771-2665212 एवं 0771-2965214 पर संपर्क कर सकते हैं।

राज्य सलाहकार ने स्वच्छता व्यवस्थाओं का लिया जायजा

अपशिष्ट प्रबंधन के प्रभावी क्रियान्वयन के दिए निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में स्वच्छता व्यवस्थाओं की जमीनी हकीकत का आकलन करने और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से राज्य सलाहकार श्री पुरुषोत्तम पंडा ने विभिन्न ग्राम पंचायतों का विस्तृत भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वच्छता, कचरा प्रबंधन के लिए संचालित व्यवस्थाओं की प्रगति का जायजा लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

भ्रमण के दौरान श्री पंडा ने फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। उन्होंने प्लांट के नियमित संचालन तथा समयबद्ध स्लज निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राज्य सलाहकार ने ग्राम पंचायतों में निर्मित सामुदायिक शौचालय एवं व्यक्तिगत शौचालयों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने साफ-सफाई, जल उपलब्धता, रख-रखाव एवं नियमित उपयोग सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक मार्गदर्शन दिया।

उन्होंने सेग्रीगेशन शेड एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था, कचरा कलेक्शन, गीले एवं सूखे कचरे का पृथक्करण तथा उसके निपटान को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। इस दौरान स्वच्छग्राही दीदियों को कचरा संग्रहण की नियमितता, कचरे का पृथक्करण, यूज़र चार्ज संबंध में विस्तार से समझाया। श्री पंडा ने कहा कि स्वच्छता अभियान को सफल बनाने में स्वच्छग्राही दीदियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शहरी क्षेत्रों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की सुदृढ़ व्यवस्था ही स्वच्छ एवं स्वस्थ्य वातावरण की आधारशिला है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्वच्छता अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए।

अमावस्या पर कालीबाड़ी में उमड़ा आस्था का सैलाब

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

भटगांव। नगर पंचायत भटगांव स्थित कालीबाड़ी मंदिर में अमावस्या के पावन अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर में उपस्थित रहे और माँ काली के दर्शन कर क्षेत्र की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। पुजारी द्वारा विधि-विधान से पूजा संपन्न कराई गई। मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और दीप प्रज्वलन के साथ वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने नारियल, फल एवं पुष्प अर्पित कर माँ काली की आराधना की। आयोजन में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। श्रद्धालु अनुशासित ढंग से बैठकर पूजा में सहभागी बने। कई परिवार अपने बच्चों के साथ पहुंचे, जिससे आयोजन में पारिवारिक और सामाजिक एकता की झलक भी देखने को मिली। कालीबाड़ी में आयोजित यह धार्मिक अनुष्ठान न केवल आस्था का प्रतीक बना, बल्कि सामाजिक समरसता और सामूहिक सहभागिता का भी उदाहरण प्रस्तुत किया। स्थानीय नागरिकों ने ऐसे आयोजनों को परंपरा और संस्कृति के संरक्षण के लिए आवश्यक बताया।

12वीं बोर्ड परीक्षा के प्रथम दिन भूगोल एवं भौतिक शास्त्र की परीक्षा शांतिपूर्ण सम्पन्न

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित हायर सेकण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा शुक्रवार से प्रारम्भ हो गई। परीक्षा के पहले दिन जिले के निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर कक्षा 12वीं की भूगोल एवं भौतिक शास्त्र विषय की परीक्षाएँ पूर्णत: शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुईं। जिले में परीक्षा संचालन के लिए कुल 72 परीक्षा केन्द्र निर्धारित किए गए हैं, जिनमें से 70 केन्द्रों पर शुक्रवार को परीक्षा आयोजित की गई। कुल 5191 पंजीकृत परीक्षार्थियों में से 5115 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए, जबकि 76 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार जिले में उपस्थिति का प्रतिशत लगभग 98.5: रहा, जो परीक्षार्थियों की गंभीरता और तैयारी का परिचायक है। परीक्षा की पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर गठित उड़नदस्ता दलों ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान किसी भी परीक्षा केन्द्र में नकल प्रकरण सामने नहीं आया है।

स्कूल से घर लौट रही छठवीं की छात्रा को अज्ञात वाहन ने रौंदा, मौत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। अंबिकापुर-बनारस अंतरराज्यीय मार्ग पर आज शाम सवा चार बजे स्कूल से घर लौट रही कक्षा छठवीं की छात्रा को अज्ञात वाहन चालक ने अपनी चपेट में ले लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। लटोरी पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत तुलसी घंटापारा निवासी हौसल सिंह की ग्यारह वर्षीय पुत्री वैष्णवी गांव में ही स्थित माध्यमिक विद्यालय में छठवीं कक्षा की छात्रा थी। रोजाना की तरह स्कूल से छुट्टी होने उपरांत अपने 3-4 सहेलियों के साथ वापस घर लौट रही थी। तभी करीब सवा चार बजे बनारस की ओर जा रहे अज्ञात वाहन चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए मासूम छात्रा वैष्णवी को अपनी चपेट में लिया। घटना के बाद आसपास के लोग तत्काल बच्ची को लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां जांच उपरांत चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस अज्ञात वाहन की पतासाजी में जुटी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सफेद कलर की इनोवा कार से दुर्घटना हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना से तुलसी समेत आसपास इलाके में शोक का माहौल निर्मित हो गया है।

पुलिस ने छात्रों को बताए नए कानून और उनके अधिकार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल सिलफिली में आज स्कूली बच्चों को नए कानून की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम जयनगर थाना प्रभारी टीआई रूपेश कुंतल एक्का के मार्गदर्शन में किया गया। उनके निर्देशन में पहुंचे सहायक उपनिरीक्षक मनोज द्विवेदी ने छात्र-छात्राओं को नए आपराधिक कानूनों, साइबर अपराध, बाल अधिकार, महिला सुरक्षा और यातायात नियमों से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि आज के दौर में केवल पढ़ाई ही नहीं, बल्कि कानून की समझ भी उतनी ही जरूरी है। विशेष रूप से साइबर अपराधों से बचाव, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, फर्जी कॉल और ऑनलाइन ठगी से सतर्क रहने के उपायों पर भी प्रकाश डाला गया। छात्रों को यह भी बताया गया कि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में पुलिस हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग कैसे करें और अपने अधिकारों के प्रति सजग कैसे रहें। इस दौरान प्रधान आरक्षक सुशील तिवारी, आरक्षक रवि कुमार पांडेय, आशिफ अख्तर सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। उन्होंने बच्चों से संवादात्मक शैली में प्रश्न पूछे और उनके सवालों के जवाब देकर उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया। विद्यालय प्रबंधन ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों में आत्मविश्वास और जागरूकता बढ़ाते हैं।

जिले के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में 25 फरवरी तक मनाया जाएगा वजन त्यौहार

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में 0 से 06 वर्ष के सभी बच्चों के वजन एवं ऊँचाई की वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त करने हेतु जिले के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में 25 फरवरी 2026 तक वजन त्यौहार का आयोजन किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि वजन त्यौहार में 0 से 06 वर्ष तक के सभी बच्चों का वजन एवं ऊँचाईयों की माप कर उसे पोषण ट्रेकर एप्प में एण्ट्री की जा रही है। वजन त्यौहार के अंतर्गत जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रो में प्रतिदिन आंगनबाड़ी केंद्रों में 0 से 06 वर्ष के बच्चों का वजन एवं ऊंचाई मापना, पोषण स्तर की जांच एवं उनके अभिभावकों को पोषण संबंधित जानकारी दिया जा रहा है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के द्वारा शिशुवती माताओं व अन्य हितग्राहियों को पोषण के संबंध में पूरी जानकारी प्रदान करने तथा बच्चों के स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखने हेतु जागरूक किया जा रहा है। साथ ही माताओं एवं गर्भवती महिलाओं को वजन त्यौहार के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है। साथ ही विभागीय योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी जा रही है और लाभ लेने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है।

गौरतलब है कि राज्य शासन की मंशानुरूप आंगनबाड़ी केंद्रों में वजन त्यौहार का आयोजन किया जा रहा है, इसमें 0 से 6 साल के सभी बच्चों के वजन और ऊंचाई को दर्ज किया जा रहा है।

फाइलेरिया मुक्त गांव हेतु जयनगर का संकल्प, जनप्रतिनिधि व मितानिनों की संयुक्त बैठक में बनी रणनीति

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत जयनगर को फाइलेरिया जैसी गंभीर और लाइलाज बीमारी से मुक्त बनाने के संकल्प के साथ आज एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। पंचायत जनप्रतिनिधियों और मितानिनों की यह बैठक सामुदायिक बिंझिया भवन जयनगर में हुई। जहां स्वास्थ्य जागरूकता और शत-प्रतिशत दवा सेवन सुनिश्चित करने पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक का मुख्य उद्देश्य था कि गांव के हर व्यक्ति तक फाइलेरिया रोधी दवा की खुराक पहुंचाना और यह सुनिश्चित करना कि कोई भी ग्रामीण इस अभियान से वंचित न रह जाए। ज्ञात हो कि फाइलेरिया बीमारी जिसे आम भाषा में हाथीपांव रोग भी कहा जाता है, मच्छरों के माध्यम से फैलने वाली गंभीर बीमारी है। एक बार संक्रमण होने पर इसका स्थायी इलाज नहीं है, जिससे प्रभावित व्यक्ति को जीवनभर शारीरिक तकलीफ और सामाजिक उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। चिकित्सकों के अनुसार यदि गांव में एक भी व्यक्ति संक्रमित रह जाता है तो संक्रमण का खतरा पूरे समुदाय पर बना रहता है। इसी खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा सामूहिक दवा सेवन अभियान चलाया जा रहा है।

बैठक में मितानिनों ने बताया कि वे घर-घर जाकर पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ लोगों को दवा की खुराक दे रही हैं। अधिकांश ग्रामीण सहयोग कर रहे हैं, लेकिन कुछ लोग भ्रांतियों या डर के कारण दवा लेने से इनकार कर रहे हैं। मितानिनों ने स्पष्ट किया कि दवा पूरी तरह सुरक्षित है और सरकार द्वारा वैज्ञानिक परीक्षण के बाद ही वितरित की जा रही है। फिर भी कुछ लोगों की अनिच्छा अभियान की सफलता में बाधा बन रही है। इस पर पंचायत प्रतिनिधियों ने गंभीरता दिखाते हुए निर्देश दिया कि दवा लेने से मना करने वाले लोगों की सूची तैयार की जाए। इसके बाद संबंधित परिवारों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर समझाइश दी जाएगी, ताकि वे दवा का सेवन करें और गांव को बीमारी से सुरक्षित बनाया जा सके। सरपंच राधा बाई ने कहा कि यह केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी है। एक की लापरवाही पूरे गांव पर भारी पड़ सकती है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि गांव में विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। मुनादी, बैठकें और व्यक्तिगत संवाद के माध्यम से लोगों को बताया जाएगा कि दवा का सेवन ही फाइलेरिया से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। उपस्थित लोगों ने यह संकल्प भी लिया कि शत-प्रतिशत दवा सेवन सुनिश्चित कर गांव को फाइलेरिया मुक्त बनाया जाएगा। इस दौरान जयनगर सरपंच राधा बाई के अलावा स्वास्थ्य विभाग से डीएमसी सुरजपुर धीरज सिंह, एमटीएस बिश्रामपुर सीके माहेश्वरी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष देवधन राम बिंझिया, राजेंद्र गवटिया, रूपनारायण राजवाड़े, वेद प्रकाश मिश्र, देवशरण सिंह बिंझिया, कृष्णपाल बिंझिया, वार्ड पंच जीरो बाई, आयुष्मान आरोग्य मंदिर जयनगर से सीएचओ सुश्री श्रेया शिंदे, आरएचओ सुशांत मजूमदार, वंदना देवांगन, एमटी रजनी राजवाड़े व अन्य उपस्थित थे।

रासेयो का 7 दिवसीय शिविर सम्पन्न, जागरूकता व श्रमदान कार्यों की हुई सराहना

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। महाविद्यालय ओडगी की एनएसएस इकाई द्वारा ग्राम पंचायत बैजनाथपुर में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन हुआ।समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व प्रचार्य पंडित रविशंकर त्रिपाठी महाविद्यालय एवं दुर्गा सेवाश्रम जमड़ी के संस्थापक डॉ. अशोक शर्मा रहे। कार्यक्रम में बीडीसी प्रतिनिधि नेहा सिंह, ग्राम सरपंच दुलार सिंह आगरे, परसिया सरपंच प्रतिनिधि शिव आगरे तथा कन्या महाविद्यालय सूरजपुर के प्राचार्य बृजलाल साहू सहित शिक्षकगण एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन व पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय प्राचार्य एवं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी रंजीत कुमार सातपुते तथा सहायक प्राध्यापकों ने किया। स्वयंसेवकों ने स्वागत गीत व राज्य गीत के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की और भारतीय व छत्तीसगढ़ी लोक परंपरा पर आधारित नृत्य, गीत, नाटक व नुक्कड़ नाटिका की आकर्षक प्रस्तुतियाँ दीं। मुख्य अतिथि डॉ. अशोक शर्मा ने अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय सेवा योजना को जनजागरूकता का सशक्त माध्यम बताते हुए स्वयंसेवकों के कार्यों की सराहना की। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा चबूतरा निर्माण, मंदिर लिपाई, नारा लेखन सहित स्वच्छता एवं सामाजिक जागरूकता गतिविधियाँ संचालित की गईं। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी के जोश और समर्पण से ही देश विकासशील से विकसित राष्ट्र की ओर अग्रसर होगा। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों ने शिविर को समाजोपयोगी बताते हुए स्वयंसेवकों के प्रयासों की प्रशंसा की।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत उद्योग सखियों को मिला आवासीय प्रशिक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में जिले में ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में पहल करते हुए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अंतर्गत गठित प्रोड्यूसर ग्रुप की उद्योग सखियों का 16 फरवरी से 20 फरवरी 2026 तक 05 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण जेंडर रिसोर्स सेंटर, बलरामपुर में आयोजित किया गया। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के द्वारा इस प्रशिक्षण का समय-समय पर अवलोकन करने के साथ ही प्रशिक्षण में शामिल सखियों का मार्गदर्शन भी किया गया।

प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न प्रोड्यूसर ग्रुप से चयनित उद्योग सखियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। राज्य स्तरीय प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर एवं प्रदान संस्था के प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभागियों को प्रोड्यूसर ग्रुप के गठन का उद्देश्य तथा समूह आधारित आजीविका संवर्धन की रणनीतियों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान उद्योग सखियों को बाजार की मांग के अनुरूप आजीविका गतिविधियों के चयन, उत्पादों के मूल्य निर्धारण, लागत विश्लेषण, लाभांश गणना तथा प्रभावी विपणन रणनीतियों पर विशेष सत्रों के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। ताकि समूह को अधिकतम लाभ प्राप्त हो सके।

प्रोड्यूसर ग्रुप के सुचारु एवं पारदर्शी संचालन हेतु आवश्यक अभिलेखों एवं विभिन्न पंजीयों के रख-रखाव, उनके महत्व एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने में उनकी भूमिका पर भी विस्तार से जानकारी दी गई।

05 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य उद्योग सखियों को प्रोड्यूसर ग्रुप की मजबूत रीढ़ के रूप में तैयार वित्तीय साक्षरता, विपणन कौशल एवं उद्यमिता के क्षेत्र में दक्ष बन सकें। इससे ग्रामीण महिलाओं को स्थायी एवं सशक्त आजीविका के अवसर प्राप्त होंगे।

वन मंत्री कश्यप ने नारायणपुर में 65 करोड़ 96 लाख रूपए के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि सरकार का उद्देश्य दूरस्थ गांवों तक सड़क, सिंचाई और बुनियादी सुविधाएं पहुंचाकर ग्रामीण जीवन को आसान बनाना है।उन्होंने विश्वास जताया कि करोड़ों रुपये के इन विकास कार्यों से किसानों को बेहतर सिंचाई व्यवस्था मिलेगी, आवागमन सुगम होगा और सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों को नई पहचान मिलेगी।वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विकास कार्यों को नई गति

देते हुए सालेमेटा और घोटिया में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान कुल लगभग 65 करोड़ 96 लाख रूपए से अधिक के विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। भूमिपूजन किए गए कार्यो में सालेमेटा क्षेत्र के 6276.65 लाख रुपये और घोटिया क्षेत्र के 320.12 लाख रुपये के कार्य शामिल हैं।सालेमेटा में सबसे बड़ा कार्य जल संसाधन विभाग द्वारा कोसारटेडा परियोजना की मुख्य नहर के 24 किमी जीर्णोद्धार का है, जिसकी लागत 4132.58 लाख रूपए है। इसके साथ ही कोरारटेडा नाला पर एनीकट सह सौर उद्वहन सिंचाई योजना के लिए 402.59 लाख, खण्डसरा क्षेत्र में गिरलकोना एनीकट सह सौर उद्ववहन सिंचाई के लिए 423.68 लाख रुपए के कार्य का भूमिपूजन किया ह्यइसी प्रकार मुण्डागुड़ा क्षेत्र में योजना के लिए 421.35 लाख तथा सोलगुड़ा स्टॉपडैम सह सौर उद्वहन निर्माण के लिए 422.41 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। भानपुरी स्थित सिंचाई कॉलोनी में सड़क, नाली, बाउंड्रीवाल, पानी टंकी और पाइपलाइन, क्रीडा परिसर निर्माण हेतु 350.75 लाख रूपए का कार्य भी शामिल है, जबकि पीएमजीएसवाई अंतर्गत सड़क निर्माण के लिए 98.29 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके अलावा छोटे स्तर पर पुलिया निर्माण के कार्य 4.50 लाख, 09 लाख और 11.50 लाख रुपये की लागत से किए जाएंगे। जहां इन सभी कार्यों का कुल योग 6276.65 लाख रुपये है। दूसरे चरण में घोटिया में आयोजित कार्यक्रम में कुल 320.12 लाख रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन हुआ। यहां गुनपुर के पास नारंगी नदी पर तटरक्षण कार्य के लिए 298.62 लाख रुपये का प्रावधान है, जबकि हाई स्कूल के पास पुलिया निर्माण हेतु 09 लाख रुपए के स्वीकृत हुए।

राजानवागांव में डिजिटल सेवा से बदली जिंदगी,गांव में ही मिल रहा लाभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।उम्र 86 साल, चेहरे पर झुर्रियां, लेकिन आँखों में आत्मनिर्भरता की चमक। कबीरधाम जिले के ग्राम राजानवागांव की भक्तिन राय के लिए डिजिटल तकनीक अब केवल शब्द नहीं, बल्कि उनके बुढ़ापे की लाठी बन गई है। 30 साल पहले पति को खोने के बाद जिस पेंशन के लिए उन्हें बैंक के चक्कर काटने पड़ते थे, आज वही पैसा उनके गांव के डिजिटल सुविधा केंद्र में एक अंगूठे के निशान पर मिल जाता है। आज एक छोटा सा केंद्र भक्तिन राय जैसे हजारों ग्रामीणों के लिए डिजिटल वरदान साबित हो रहा है। भक्तिन राय के पति का देहांत लगभग 30 साल पहले हो गया था।लंबे समय तक कठिन परिस्थितियों में जीवन बिताने के बाद अब उन्हें निराश्रित विधवा पेंशन और महतारी वंदन योजना की राशि हर महीने नियमित रूप से मिल रही है।पहले उन्हें पैसे निकालने के लिए बैंक जाना पड़ता था, जिससे समय और मेहनत दोनों लगते थे। अब गांव के डिजिटल सुविधा केंद्र से ही उन्हें तुरंत पैसा मिल जाता है और यह भी पता चल जाता है कि उनके खाते में कितनी राशि आई है। उनके बेटा और बहू मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। बहू को भी महतारी वंदन योजना का लाभ मिल रहा है, जिससे घर के खर्च में सहारा मिलता है। इलाज और दवाइयों के लिए मिलने वाली पेंशन की राशि भक्तिन राय के लिए बहुत बड़ा सहारा बन गई है।

बस्तर हेरिटेज मैराथन का आयोजन 22 मार्च को

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।बस्तर में खेल एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले बस्तर हेरिटेज मैराथन का आयोजन आगामी 22 मार्च को किया जाएगा।चित्रकोट महोत्सव के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने बस्तर हेरिटेज मैराथन के आधिकारिक लोगो का अनावरण किया।कलेक्टर बस्तर ने बताया कि बस्तर हेरिटेज मैराथन का आयोजन 22 मार्च को किया जाएगा, जिसमें 5 किमी, 10 किमी, 21 किमी और 42 किमी की दौड़ प्रतियोगिता होगी। प्रतियोगिता चित्रकोट जलप्रपात से प्रारंभ होकर कुरुषपाल तक 21 किमी जाकर वापस चित्रकोट में समाप्त होगी।पाँच किलोमीटर की दौड़ चित्रकोट से मारडूम चौक तक, दस किमी की दौड़ एसटीएफ कैम्प से वापस चित्रकोट तक होगी।वन मंत्री श्री कश्यप ने अपने संबोधन में कहा कि पहली बार बस्तर हेरिटेज मैराथन का आयोजन किया जा रहा है स यह केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि युवाओं में फिटनेस, अनुशासन एवं सकारात्मक जीवनशैली को प्रोत्साहित करने की पहल है। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी का आह्वान किया। इस अवसर पर बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप, विधायक श्री विनायक गोयल, पूर्व विधायक श्री लच्छूराम कश्यप सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

शासकीय विभागों में प्रवर श्रेणी के दिव्यांगजनों को सीधी भर्ती में मिलेगा आरक्षण

रायपुर।दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के प्रावधानों के तहत राज्य शासन के समस्त विभागों और उनके अधीनस्थ कार्यालयों की प्रत्येक सरकारी स्थापना में सीधी भर्ती से भरे जाने वाले प्रवर श्रेणी के दिव्यांगजनों के लिए पदों का चिन्हांकन कर पद आरक्षित किए जा रहे हैं। आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में समाज कल्याण विभाग के सचिव श्री भुवनेश यादव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य शासन के सभी विभागों के सचिव शामिल हुए। बैठक में राज्य शासन के सभी विभागों के अंतर्गत सीधी भर्ती के प्रकम में भरे जाने वाले प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी की लोक सेवाओं एवं पदों में दिव्यांगजनों के लिए दिव्यांजन अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार आरक्षण निर्धारित किया जाएगा।

श्रम विभाग की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने श्रमिक बनें जागरूक-राजस्व मंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।राज्य शासन द्वारा श्रमिकों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं के विषय में जागरूक करने के उद्देश्य से जिला मुख्यालय बलौदाबाजार स्थित जिला ऑडिटोरियम में गुरुवार को श्रमिक जन संवाद सम्मेलन का आयोजन किया गया।कार्यकम में श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को 1 करोड़ 4 लाख से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से श्रमिक एवं उनके परिवार के खाते में आतंरित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि राज्य शासन द्वारा श्रमिकों

और उनके परिवार को खुशहाल बनाने के लिए 31 से अधिक कार्यक्रम और योजनाएँ संचालित हैं,जिनकी जानकारी सभी श्रमिक भाइयों और बहनों को होना जरूरी है तभी वे इन योजनाओं का लाभ ले सकेंगे। श्रमिक जन संवाद सम्मेलन का यही उद्देश्य है।उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ज्यादा से ज्यादा श्रमिक भाई बहनों तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने ऐसे कार्यकम सार्थक भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्रम कल्याण मंडलके अध्यक्ष श्री योगेश दत्त मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र सरकार द्वारा श्रमिकों के हितों के लिए क्रांतिकारी कदम उठाते हुए चार नए लेबर कोड लागू करने का निर्णय लिया गया है जो निश्चित रूप से श्रमिकों और उनके परिवारों को आर्थिक और सामाजिक रूप से सबल करने की दिशा में बड़ा कदम है।उन्होंने कहा देश की आबादी का 45 प्रतिशत असंगठित क्षेत्र के मजदूर हैं जिनके आर्थिक और सामाजिक विकास के बिना देश का विकास संभव नहीं है इसी लिहाज से यह ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है।उन्होंने देश में लागू चार नए लेबर कोड (श्रम संहिताओं)मजदूरी संहिता, 2019, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थितियों या ओएसएच संहिता 2020 और औद्योगिक संबंध संहिता 2020 के लाभ के बारे में विस्तार से बताया। नए श्रम कानूनों के मुताबिक देश भर में राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन तय किया जाएगा।एक बार घोषित होने के बाद राज्य इससे कम वेतन तय नहीं कर सकते।मजदूरों और उनके परिवारों की सुरक्षा और इलाज की व्यवस्था , भविष्य निधि , आदि के बारे में बताया। उन्होंने कार्यक्रम में आए जन प्रतिनिधियों और श्रमिकों से अपील करते हुए कहा कि आप सभी अपना नैतिक दायित्व समझते हुए ज्यादा से ज्यादा श्रमिकों को विभागीय योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित और जागरूक करें तभी हम विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत की संकल्पना को साकार कर सकेंगे।

सम्पूर्णता अभियान 2.0 की हुई समीक्षा, लक्ष्य प्राप्ति के निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम अंतर्गत संचालित सम्पूर्णता अभियान 2.0 के तहत निर्धारित 6 पैरामीटरों की शत-प्रतिशत संतृप्ति सुनिश्चित करने हेतु एसडीएम श्रीमती ललिता भगत की अध्यक्षता तथा जनपद सीईओ की उपस्थिति में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।जनपद पंचायत सभाकक्ष में आयोजित उक्त बैठक में महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, पशुपालन, कृषि, पीएचई एवं स्वच्छ भारत मिशन से संबंधित सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी एवं ब्लॉक फेलो उपस्थित रहे। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा वर्तमान प्रगति की

विस्तार से समीक्षा की गई तथा कम प्रगति वाले विभागों की पहचान कर समयबद्ध लक्ष्य निर्धारित किए गए। एसडीएम ने निर्देश दिए कि सभी विभाग तय समय-सीमा में 100 प्रतिशत संतृप्ति सुनिश्चित करते हुए साप्ताहिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। साथ ही ग्राम स्तर पर जनजागरूकता अभियान चलाकर विभागीय समन्वय के माध्यम से योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।बैठक के अंत में उपस्थित सभी अधिकारियों ने निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूर्ण करने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता व्यक्त की।

डे-नाइट कबड्डी प्रतियोगिता में आरएन टाइटन बनी विजेता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। विकासखण्ड रामानुजनगर स्थित शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में विगत 15 दिनों से चल रही डे-नाइट कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला सरपंच रामसिंह की अध्यक्षता एवं शिक्षक बिहारी लाल साहू की आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।फाइनल मैच में रामानुजनगर आरएन टाइटन टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 30 अंकों की बढ़त से जीत दर्ज कर ट्रॉफी एवं 14,000 रुपये नकद पुरस्कार प्राप्त किया। वहीं उपविजेता टीम गोबिंदपुर रही, जिसे ट्रॉफी सहित 7,000 रुपये की नगद राशि प्रदान की गई। प्रतियोगिता में कुल 27 टीमों ने भाग लिया।इस अवसर पर सरपंच रामसिंह ने कबड्डी खेल के शारीरिक लाभों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह खेल शरीर को चुस्त-दुरुस्त और स्वस्थ बनाए रखता है।

श्वानों हेतु शुरू हुआ नसबंदी व रेबीज नियंत्रण अभियान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। पशुधन विकास विभाग द्वारा पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत श्वानों के नसबंदी का विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सुप्रीम कोर्ट द्वारा सू-मोटो रिट-पिटीशन 2025 में दिए गए निदेर्शों के परिपालन में लागू किया गया है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि रेबीज एक अत्यंत घातक एवं जानलेवा बीमारी है, जिससे बचाव का एकमात्र प्रभावी उपाय समय पर टीकाकरण है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने पालतू पशुओं का नियमित टीकाकरण अवश्य कराएं। विशेषज्ञों के अनुसार रेबीज

वायरस मनुष्य एवं पशुओं के तंत्रिका तंत्र को गंभीर रूप से प्रभावित करता है।इसके प्रारंभिक लक्षणों में सुस्ती, बुखार, उल्टी या मिचली, भूख न लगना आदि शामिल हैं। रोग बढ़ने पर लकवा, सांस लेने और भोजन-पानी निगलने में कठिनाई, अत्यधिक उत्तेजना तथा बिना कारण काटने की प्रवृत्ति भी दिखाई देती है।विभाग ने यह भी सलाह दी है कि किसी पशु द्वारा काटे जाने की स्थिति में घाव को तुरंत साबुन और बहते पानी से अच्छी तरह धोएं तथा चिकित्सक से परामर्श लेकर एंटी-रेबीज टीका अवश्य लगवाएं।पशुधन विकास विभाग ने सभी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे अपने आसपास के पालतू पशुओं और श्वानों का टीकाकरण कराकर रेबीज जैसी संक्रामक बीमारी की रोकथाम में सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

जिले की पुलिस ने किये 65 लाख के नशीले पदार्थ नष्ट

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बुधवार को 65 लाख कीमत के नशीले पदार्थो को नष्ट किया है। पुलिस लाईन परिसर में अस्थायी भट्ठे में मादक पदार्थों को नष्ट किया गया। जिला स्तरीय औषधि निपटान समिति की देखरेख में यह कार्रवाई की गई। इस दौरान एनडीपीएस एक्ट के 20 प्रकरणों में जब्त 101.74 किलोग्राम गांजा, 753 नग गांजा का पौधा, टेबलेट 103 नग, इंजेक्शन 778 नग, कफ सिरप 98 नग एवं कैप्सूल 5920 नग को नष्ट किया गया जिसकी अनुमानित कीमत करीब 65 लाख रुपए है।एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने बताया कि यह कार्रवाई केंद्र

सरकार के वित्त मंत्रालय की 23 दिसंबर 2022 की अधिसूचना और छत्तीसगढ़ शासन के 21 नवंबर 2024 के निदेर्शों के अनुसार की गई। नष्टीकरण की प्रक्रिया एसएसपी की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रितेश चौधरी, जिला आबकारी अधिकारी अनिल मित्तल, क्षेत्रीय अधिकारी पर्यावरण संरक्षण मण्डल के पंचान व वन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। जिला पुलिस ने युवाओं व नागरिकों को नशे से बचाने के लिए भविष्य में भी निरंतर मादक पदार्थों की तस्करी पर सख्त कार्यवाही करने के लिए दृढ़ संकलित है।इस दौरान रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी, निरीक्षक जावेद मियादांद, प्रधान आरक्षक आशाराम लकड़ा, आरक्षक सोहेल राजा व उदय सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

डिलीवरी के दौरान नवजात की मौत परिजनों में मातम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनपुर।सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड के ग्राम कुन्नी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डॉक्टर और स्टाफ की कमी से जूझ रहा है। अस्पताल में समय पर डॉक्टर और नर्स उपलब्ध नहीं होने से स्वीपर के द्वारा गर्भवती महिला का प्रस्ताव कराया जा रहा था प्रसव कराने के दौरान बच्चा फस गया सूचना पर डॉक्टर अस्पताल पहुंचे और प्रसव कराया गया तब तक बच्चे की मौत हो चुकी थी।इधर परिजनों ने आरोप लगाया है कि समय पर डॉक्टर और नर्स अस्पताल में मौजूद होते तो यह स्थिति निर्मित नहीं होती और शायद आज बच्चा जीवित होता। घटना के बाद से परिवारजनों में शोक का माहौल व्याप्त है और उन्होंने शासन प्रशासन से न्याय की मांग की है। वर्ष 2025 में शासन के द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का उन्नयन कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनाया गया।लेकिन जो व्यवस्था शासन प्रशासन को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध करानी थी वह व्यवस्थाएं उपलब्ध नहीं हो सकी डॉक्टर और स्टाफ की कमी से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरीके चरमरा गई है।स्टाफ और डॉक्टरों की कमी की वजह से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ स्वीपर सहित अन्य स्टेफन के द्वारा लोगों का इलाज किया जाता है।मिली जानकारी के मुताबिक गर्भवती गौरी यादव पिता सूरजमल यादव ग्राम जमदरा निवासी का मैनपाट ब्लॉक के ग्राम सुपलगा में विवाह हुआ था। गर्भवती महिला गौरी यादव अपने मायका ग्राम जमदरा आई हुई थी प्रसव पीड़ा होने पर 16 फरवरी 2026 दिन मंगलवार की रात लगभग 11:00 बजे परिजनों के द्वारा प्रसव के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुन्नी ले जाया गया जहां डॉक्टर और स्टाफ नर्स नहीं होने पर स्वीपर श्याम पति के द्वारा जांच कर अस्पताल में भर्ती कर इलाज शुरू किया गया।17 फरवरी दिन बुधवार की सुबह लगभग 7 बजे स्वीपर श्याम पति के द्वारा प्रसव कराया जा रहा था प्रसव कराने के दौरान बच्चा फस गया इसी दौरान डॉक्टर अस्पताल पहुंचे और प्रसव कराया गया तब तक बच्चे की मौत हो चुकी थी नवजात की मौत के बाद परिजनों में मातम पसर गया वहीं परिजनों ने आरोप लगाया कि समय पर डॉक्टर और स्टाफ नर्स अस्पताल में उपलब्ध होते तो शायद उनका आज बच्चा जीवित होता। कुन्नी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लगातार डॉक्टर नर्स और स्टाफ की कमी के कारण क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है क्षेत्र के लोगों को मजबूरन चोला छाप डॉक्टरों से इलाज करने को विवश है। जबकि प्रभारी खंड चिकित्सा अधिकारी विनोद भार्गव के द्वारा समय-समय पर डॉक्टर और स्टाफ की कमी को लेकर पत्र के माध्यम से उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया था। परंतु विभाग के आल्हा अधिकारियों और शासन प्रशासन की ओर से किसी भी प्रकार की पहल नहीं की गई वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुन्नी में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा नहीं मिलने से अस्पताल में पहुंचने वाले मरीजों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ रहा है। अब देखने वाली बात होगी कि लापरवाही बरतने वाले डॉक्टर और नर्स पर किस प्रकार की कार्रवाई की जाती है या शासन प्रशासन के द्वारा कब तक यहां डॉक्टर नर्स और स्टेफन की नियुक्ति की जाती है। इस संबंध में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आप प्रसाद से बात करने पर उनके द्वारा बताया गया की तीन स्टाफ नर्सो के द्वारा छुट्टी लिया गया है एक डॉक्टर और एक नर्स के भरोसे अस्पताल का संचालन किया जा रहा है।

कई बार आला अधिकारियों को इस संबंध में अवगत कराया गया है किंतु डॉक्टर और स्टाफ की नियुक्ति नहीं की गई। वर्तमान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ डॉक्टर नर्स संहिता अन्य स्टेफन को लगातार ड्यूटी करने से उन्हें अनेकों प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

सम्पादकीय

छद्म दिखावे में फंसी गलगोटिया यूनिवर्सिटी

ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी इन दिनों ऐसे विवाद के केंद्र में है, जिसने केवल एक संस्थान नहीं, बल्कि भारत की उभरती तकनीकी छवि पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया। अंतरराष्ट्रीय मंच पर हुए एआई एक्सपो में प्रदर्शित रोबोटिक डॉग और सॉकर ड्रोन को लेकर उठे सवालों ने यह बहस तेज कर दी है कि क्या हम नवाचार के नाम पर 'छद्म दिखावे' की राह पर तो नहीं बढ़ रहे? मामला तब गरमा गया, जब एक वीडियो में यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर नेहा सिंह ने रोबोटिक डॉग 'ओरियन' को विश्वविद्यालय के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में विकसित बताया। साथ ही यह भी दावा किया कि एआई क्षेत्र में 350 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है, लेकिन टेक विशेषज्ञों और सोशल मीडिया यूजर्स ने दावा किया कि यह रोबोट असल में चीनी कंपनी का है, जो बाजार में 2 से 3 लाख रुपये में उपलब्ध है। विवाद यहीं नहीं थमा। सॉकर ड्रोन को भी विश्वविद्यालय द्वारा 'इन-हाउस' विकसित बताने का दावा किया गया, जबकि जानकारों का कहना है कि वह दक्षिण कोरिया की किसी कंपनी का उत्पाद है। भारत आज एआई, रोबोटिक्स और डीप टेक के क्षेत्र में वैश्विक पहचान बनाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की किरकिरी हुई है। चीनी मीडिया ने इस मामले को अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठाया है। हालांकि सरकार ने डैमेज कंट्रोल करते हुए एक्सपो वेन्यू खाली कराने के आदेश देकर त्वरित कार्रवाई की। यह कदम इस बात का संकेत है कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश की साख को लेकर संवेदनशीलता बरती जा रही है, लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल प्रशासनिक कार्रवाई पर्याप्त है? या हमें उच्च शिक्षा संस्थानों में पारदर्शिता और जवाबदेही की एक सख्त संस्कृति विकसित करनी होगी? यदि किसी विदेशी उत्पाद को 'अपना विकसित' बताकर प्रस्तुत किया गया है तो यह केवल नैतिक चूक नहीं, बल्कि अकादमिक ईमानदारी पर भी सवाल है। नवाचार की दुनिया में विश्वास ही सबसे बड़ी पूंजी है। एक बार भरोसा टूटे तो उसे वापस पाना आसान नहीं होता। सबसे बड़ी चिंता उन छात्रों की है जो इस संस्थान में पढ़ रहे हैं। वे इस विवाद के लिए जिम्मेदार नहीं हैं, लेकिन असर उनके भविष्य पर पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय कंपनियां और रिसर्च संस्थान जब किसी विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी करते हैं, तो उसकी विश्वसनीयता को भी परखते हैं। यदि किसी संस्थान की छवि संदिग्ध बनती है, तो प्लेसमेंट और सहयोग के अवसर प्रभावित हो सकते हैं। यदि गलती हुई है तो उसे स्वीकार करना ही संस्थान की विश्वसनीयता बहाल करने का पहला रास्ता होगा। दूसरा, विश्वविद्यालयों को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वे 'डेवलपमेंट', 'इंटीग्रेशन' और 'डेमो' जैसे शब्दों का उपयोग किस संदर्भ में कर रहे हैं। किसी उत्पाद का कस्टमाइजेशन या रिसर्च-आधारित उपयोग और उसे पूरी तरह विकसित करने में जमीन-आसमान का अंतर है। नियामक संस्थाओं को भी तकनीकी प्रदर्शनों और दावों की सत्यता की समय-समय पर समीक्षा करनी चाहिए। इससे भविष्य में ऐसे विवादों की संभावना कम होगी। गलगोटिया विवाद केवल एक विश्वविद्यालय की कहानी नहीं है। यह उस दबाव की भी कहानी है, जिसमें भारतीय उच्च शिक्षा संस्थान वैश्विक प्रतिस्पर्धा में खुद को साबित करने की जल्दबाजी में कभी-कभी सीमाएं लांघ जाते हैं। छद्म दिखावे से क्षणिक सुर्खियां मिल सकती हैं, लेकिन दीर्घकालिक सम्मान केवल ईमानदार नवाचार से ही मिलता है।

भारत-बांग्लादेश

राज कुमार सिंह

सत्ता परिवर्तन से सुधरेंगे संबंध?

भारत के सबसे अप्रत्याशित और नए दुश्मन देश बांग्लादेश में नव निर्वाचित सरकार पदारूढ़ हो गई। 17 साल बाद ब्रिटेन से स्वदेश लौट कर चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) का नेतृत्व करने वाले तारिक रहमान नए प्रधानमंत्री बने हैं। शपथ ग्रहण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी आमंत्रित किया गया था, पर भारत का प्रतिनिधित्व किया लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने। भारत की ओर से शुभकामना पत्र देते हुए बिरला ने तारिक को भारत यात्रा का निमंत्रण भी दिया। अगस्त, 2024 में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में भारत-बांग्लादेश संबंधों में कटुता चरम पर दिखी। बांग्लादेश में हिंदू नागरिकों, उनके धर्मस्थलों एवं घरों-व्यावसायिक ठिकानों को चुन-चुन कर निशाना बनाया गया। हत्याएं और बलात्कार की घटनाएं भी हुईं। जिस भारत के सहयोग से 1971 में पाकिस्तान के शिकंजे और दमनचक्र से मुक्त होकर बांग्लादेश स्वतंत्र देश बन पाया, उसी के विरोध में यूनुस सरकार चीन और पाकिस्तान के साथ दोस्ती तक चली गई।

बेशक जेन जी के विद्रोह से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत द्वारा शरण से भी परस्पर कटुता बढ़ी, लेकिन एक दोस्त देश का दुश्मनों से हाथ मिला लेना बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति है, क्योंकि दोनों के बीच लंबी सीमा है। इसी कटुता के परिणामस्वरूप बांग्लादेश ने पाकिस्तान के उकसावे में आकर टी-20 वर्ल्ड कप क्रिकेट का बहिष्कार भी कर दिया। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या सत्ता परिवर्तन से भारत-बांग्लादेश संबंध सुधरेंगे ? बेशक तारिक रहमान ने चुनाव प्रचार के दौरान ऐसा कुछ नहीं कहा, जिससे आशंकित हुआ जाए। ज्यादातर जानकार उनके 31 सूत्रीय एजेंडा को बेहतर संबंधों की संभावना का ही संकेत मानते हैं। जमात-ए-इस्लामी पार्टी और शेख हसीना सरकार के विरुद्ध विद्रोह करने वाली जेन जी की नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) की तरह भारत विरोधी कार्ड खेलने से तारिक ने परहेज ही किया। डिजिटल डोमेन और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर फोकस आदि के जरिए तारिक बांग्लादेश को रेनबो नेशन बनाने का सपना दिखा रहे हैं, जिसमें भारत से संबंध सुधार की संभावनाएं प्रबल हो सकती हैं।

तारिक मंत्रिमंडल में एक-एक हिंदू और बौद्ध को भी शामिल किया गया है, लेकिन यह भी सच है कि वह जिया उर रहमान और खालिदा जिया के राजनीतिक वारिस हैं, जो भारत विरोध की ही राजनीति करते रहे। यह तो ऐतिहासिक सच है कि बांग्लादेश के जनक माने जाने वाले बंगबंधु शेख मुजीब उर रहमान और उनकी बेटी शेख हसीना भारत के सबसे विश्वसनीय दोस्त रहे, जिन्हें पहले जिया उर रहमान और फिर खालिदा जिया राजनीतिक चुनौती देते रहे। यह भी कि जिया उर रहमान और खालिदा जिया के शासन में भारत-बांग्लादेश संबंध कभी भी सहज नहीं रहे। संसद के जिन चुनावों में प्रचंड जीत के जरिये तारिक रहमान ने सत्ता हासिल की है, उनमें शेख हसीना की आवामी लीग को भाग नहीं लेने दिया गया। शेख हसीना इन चुनावों को मानने को

भी तैयार नहीं हैं। जाहिर है, यूनुस सरकार द्वारा शेख हसीना के प्रत्यर्पण का आग्रह तारिक सरकार भी दोहराएगी।

लगभग डेढ़ साल से भारत में रह रहीं शेख हसीना के प्रत्यर्पण का फैसला निश्चय ही भारत के लिए आसान नहीं होगा, क्योंकि उनके तख्तापलट के पीछे अन्य देशों की भूमिकाओं की चर्चा भी आम रही है। ऐसे में दोनों परिवारों की परंपरागत कटुता के अलावा वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में भी तारिक सरकार के लिए शेख हसीना के प्रत्यर्पण का मुद्दा गरमाये रखना अनुकूल साबित होगा। कभी बीएनपी की राजनीतिक दोस्त रही कट्टरपंथी और पाकिस्तानपरस्त जमात-ए-इस्लामी इस बार मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरी है। शेख हसीना सरकार के तख्तापलट की अगुआ बनी एनसीपी को मतदाताओं ने तो चुनाव में नकार दिया, पर नई सरकार के शपथ ग्रहण के साथ ही उसने 'जुलाई चार्टर' के मुद्दे पर संघर्ष का ऐलान कर दिया है। दरअसल 12 फरवरी को संसद के चुनाव के साथ ही जुलाई चार्टर पर जनमत संग्रह भी हुआ था। आंकड़े बताते हैं कि 62 प्रतिशत लोगों ने इसके पक्ष में वोट दिया। जुलाई चार्टर के मुताबिक नवनिर्वाचित संसद को 180 दिन तक संविधान सभा के रूप में काम करना चाहिए, जिस दौरान संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं में संशोधन किए जाने हैं, लेकिन बीएनपी के सांसदों ने यह कह कर संविधान सभा के सदस्य के रूप में शपथ लेने से इनकार कर दिया कि संविधान में ऐसा कोई प्रावधान ही नहीं है।

वे सिर्फ संसद के लिए चुने गए हैं, न कि किसी संविधान परिषद के लिए। जुलाई चार्टर के मुताबिक, कोई भी नेता अधिकतम दस साल या दो कार्यकाल के लिए ही प्रधानमंत्री रह पाएगा। प्रधानमंत्री अपने दल का अध्यक्ष नहीं रह सकेगा। साथ ही कई स्वतंत्र संस्थाओं के प्रमुखों की नियुक्ति में राष्ट्रपति की भूमिका ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाएगी। इतना ही नहीं, आपातकाल लगाने का फैसला भी केबिनेट और विपक्ष के नेता की लिखित सहमति से ही हो पाएगा। संसद का उच्च सदन भी बनेगा, जो प्रधानमंत्री चुनने वाले निचले सदन के फैसलों को नियंत्रित कर सकेगा। दरअसल सत्ता का विकेंद्रीकरण करने के मकसद से जुलाई चार्टर में 80 से भी अधिक सुधार-प्रस्ताव हैं, जिनमें से लगभग आधे संविधान संबंधी हैं।

बीएनपी ने भी जुलाई चार्टर पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन चुनाव जीतने के बाद उसके कई नेताओं का तर्क है कि न तो चार्टर तैयार करते समय उनसे सलाह ली गई थी और न ही संविधान में ऐसी किसी परिषद का प्रावधान है, जो उस पर अमल कर सकें। जाहिर है, आने वाले दिनों में जुलाई चार्टर पर बांग्लादेश में राजनीतिक टकराव बढ़ेगा। तारिक के पास अपने पिता जिया और मां खालिदा जैसा राजनीतिक अनुभव नहीं है, पर विदेश प्रवास के चलते देश के लिए नए सपने हो सकते हैं। उनकी अनुभवहीनता के चलते भारत विरोधी चीन और पाकिस्तान भी उन पर अपनी पकड़ मजबूत करना चाहेंगे।

ऐसे में यह देखना बेहद महत्वपूर्ण होगा कि परंपरागत घरेलू राजनीति के चक्रव्यूह में फंसने के बजाय तारिक देश के बेहतर भविष्य की राह पर चलने का साहस जुटा पाते हैं या नहीं। इतिहास भी बताता है कि पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश में भी 'भारत विरोध' तमाम समस्याओं से ध्यान हटाने का सरकारों का आजमाया हुआ नुस्खा रहा है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक है, ये उनके अपने विचार हैं।)

> अगस्त, 2024 में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में भारत- बांग्लादेश संबंधों में कटुता चरम पर दिखी। बांग्लादेश में हिंदू नागरिकों, उनके धर्मस्थलों एवं घरों-व्यावसायिक ठिकानों को चुन-चुन कर निशाना बनाया गया। जिस भारत के सहयोग से 1971 में पाकिस्तान के शिकंजे और दमनचक्र से मुक्त होकर बांग्लादेश स्वतंत्र देश बन पाया, उसी के विरोध में यूनुस सरकार चीन और पाकिस्तान के साथ दोस्ती तक चली गई। ऐसे में यह देखना बेहद महत्वपूर्ण होगा कि परंपरागत घरेलू राजनीति के चक्रव्यूह में फंसने के बजाय तारिक देश के बेहतर भविष्य की राह पर चलने का साहस जुटा पाते हैं या नहीं।

सारा संसार

नृसिंहवाड़ी कोल्हापुर जिले का एक लोकप्रिय धार्मिक स्थल है। यह दत्ता भक्तों की राजधानी होने के लिए जाना जाता है। कृष्णा और पंचगंगा नदियों के पवित्र संगम पर स्थित, महाराष्ट्रीयन इतिहास के प्रसंगों में इसका व्यापक महत्व है।

करेंगे दान तो बनेंगे समृद्ध और खुशहाल!

एक विवेकशील प्राणी होने के नाते मनुष्य से त्याग की अपेक्षा स्वाभाविक है। वास्तव में मानव का पूर्ण विकास ही त्याग द्वारा संभव है। जो दूसरे के लिए जितना अधिक त्याग कर सकता है, वह उतना ही महान समझा जाता है।राजा हरिश्चंद्र को हम आज भी उनके त्याग के लिए ही तो स्मरण करते हैं। महर्षि दधीचि ने तो एक विराट लक्ष्य के लिए अपनी देह

संकलित

दर्शन

का ही त्याग कर दिया था। वास्तव में हमारे समृद्ध इतिहास में कई विभूतियां तो केवल अपनी त्याग भावना के लिए ही विख्यात हुई हैं। त्याग की भावना का विकास करने के लिए सभी धर्मों में दान की महिमा बताई गई है। कहा जाता है धन का दान करने से धन शुद्ध होता है। आवश्यक नहीं है कि मात्र धनी व्यक्ति ही दान करने में सक्षम हैं, क्योंकि उनके पास किसी वस्तु का अभाव नहीं है। दान की भावना जाग्रत होने पर आप पाएंगे कि आपके पास भी एक अक्षय भंडार है। मात्र धनदान या अन्नदान ही दान नहीं है। हो सकता है कोई व्यक्ति धनहीन हो, परंतु उसके पास एक स्वस्थ एवं निरोग शरीर हो। क्या ऐसे लोगों के लिए श्रमदान विकल्प नहीं है? उनके आसपास कितने अशक्त लोग मिल जाएंगे, जिनकी वे अपनी शारीरिक ऊर्जा से सेवा कर सकते हैं। किसी के कार्य में हाथ बंटा लेना भी श्रमदान है। विद्यादान या ज्ञानदान को तो उत्तम में सवरेत्तम माना गया है। किसी निर्धन बच्चे को निःशुल्क पढ़ा देना भी तो दान ही है। आप किसी भी प्रकार से अभावग्रस्त की सहायता कर सकते हैं, शरीर, मन, बुद्धि, धन और भाव सब उपकरण हैं।

एकाग्रता के बिना मंत्र जप नहीं हो सकता

एक दिन सरयू नदी के किनारे पर गोस्वामी तुलसीदास प्रवचन दे रहे थे। वे अक्सर यहां प्रवचन देते थे। इस दौरान तुलसीदास जी लोगों की समस्याओं का समाधान भी करते थे। एक दिन तुलसीदास जी आंखें बंद करके जप कर रहे थे। एक व्यक्ति ने पूछा कि आप आंखें बंद कर किसे याद कर रहे हैं? तुलसीदास जी बोले कि मेरे राम

संकलित

प्रेरणा

को। उस व्यक्ति ने फिर पूछा कि तो क्या ये जरूरी है कि भगवान के नाम का जप किया जाए? तुलसीदास जी ने कहा कि हां, ये तो बहुत जरूरी है। नाम जप करने से मन काबू में रहता है। जिन लोगों का मन काबू रहता है, वे शांत रहते हैं। उस व्यक्ति ने फिर पूछा कि जब मैं नाम जप करने बैठता हूं तो मन नहीं लगता है, मुझे क्या करना चाहिए? तुलसीदास जी बोले कि कई लोगों की ये समस्या है, जप में मन नहीं लगता। इस कारण लोग भक्ति करना ही छोड़ देते हैं। एक बात हमेशा ध्यान रखें, मन लगे या न लगे, हमें जप करते रहना चाहिए। हमारा मन एक भूमि की तरह है। भूमि में बीज बोने पर उससे पौधा जरूर उगता है, बीज उल्टा गिरे या सीधा, पौधा तो उगता ही है। ठीक इसी तरह हमें भी मन में भक्ति का बीज बोते रहना चाहिए। जप के लिए सबसे जरूरी है एकाग्रता। सभी को एकाग्रता की जरूरत है। अशांत मन एकाग्र नहीं हो सकता है। जप करते रहेंगे तो मन शांत रहेगा, एकाग्रता बनी रहेगी। जप करने से देर से ही सही, लेकिन इसका सकारात्मक फल जरूर मिलता है।

जयंती विशेष

आचार्य दीप चन्द भारद्वाज

मराठा अस्मिता के रक्षक थे महायोद्धा छत्रपति शिवाजी

छत्रपति शिवाजी महाराज मराठा संस्कृति के प्रखर संरक्षक थे। शिवाजी महाराज भारतीय संस्कृति और धर्म के शाश्वत मूल्यों के ध्वजवाहक रहे। इनका जन्म 19 फरवरी 1630 को महाराष्ट्र के शिवनेरी दुर्ग में हुआ था। उनके पिता शाह जी भोंसले तथा माता जीजाबाई थी। इनका मूल नाम शिवाजी भोसले था, लेकिन उनके सुशासन और नेतृत्व कुशलता के कारण इनको छत्रपति अर्थात क्षत्रियों का प्रमुख की उपाधि दी गई। शिवाजी के फौलादी चरित्र के निर्माण में माता जीजाबाई का बहुत बड़ा योगदान था। जीजाबाई ने बालक शिवाजी के मानस पटल पर भारत देश की महान धार्मिक संस्कृति तथा राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत संस्कारों को पल्लवित किया था ,जिसके परिणाम स्वरूप युवावस्था में ही शिवाजी महाराज ने मुगलों के आततायी शासन से टकराने का संकल्प लिया। मराठा संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा के अपने विराट संकल्प का प्रारंभ इन्होंने 1645 ईस्वी में तोरण किले पर अधिकार करके किया। शिवाजी का संपूर्ण जीवन महान आदर्शों की गाथा है। मराठा संस्कृति से परिपूर्ण स्वराज की स्थापना के दृढ़ संकल्प के बल पर शिवाजी ने सीमित साधनों के होते हुए विशाल मुगल सेना से टक्कर ली। पराक्रमी वीर योद्धा शिवाजी ने विकट से विकट परिस्थितियों का सामना करते हुए स्वराज्य की ज्योति जलाई। छत्रपति की दूरदर्शिता और नेतृत्व ने मराठा साम्राज्य को एक नए युग में पहुंचाया। छत्रपति शिवाजी का संघर्ष एक शासक के रूप में सत्ता पाना नहीं था, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता की अवधारणा को स्थापित करना था। गोरिल्ला युद्ध और छापा मार अभियानों के शिवाजी पूर्ण रूप से पारंगत थे। युद्ध नीतियों के मर्मज्ञ शिवाजी ने गोरिल्ला युद्ध के माध्यम से मुगलों को पराजित किया। छत्रपति की यह विशेषता थी कि वह शत्रु पर अचानक आक्रमण करके उनको चौंका देते थे। शिवाजी और उनके मराठा रणबांकुरे जब युद्ध के मैदान में 'जय भवानी जय शिवाजी' एवं 'हर हर महादेव' के युद्ध जय घोषों से उतरते थे तो उनके पराक्रम और साहस के समक्ष मुगल सेना के हौसले परास्त हो जाते थे। शिवाजी ने 1659 प्रतापगढ़ के युद्ध में औरंगजेब की ओर से बीजापुर के अफजल खान के विरुद्ध ऐतिहासिक विजय प्राप्त की थी। इस युद्ध में शिवाजी ने अपनी बुद्धिमत्ता से अफजल खान को बुरी तरह प्राप्त किया था। 1660 में शिवाजी ने बीजापुर के आदिलशाही सल्तनत को कोल्हापुर के युद्ध में पराजित किया। 1661 में उबरखिंड के युद्ध में भी शिवाजी ने विजय प्राप्त की। 17वीं सदी के मध्य में शिवाजी ने मुगलों के आक्रमणों के विरुद्ध शारीरिक युद्ध ही नहीं लड़ा, बल्कि उन्होंने भारत के सांस्कृतिक, धार्मिक तथा सामाजिक अधिकारों के लिए भी संघर्ष किया। महान योद्धा होने के साथ-साथ शिवाजी धर्म, राष्ट्रीयता के जीवंत प्रतीक थे। शिवाजी ने 1674 में रायगढ़ को अपने राज्य की राजधानी बनाकर स्वतंत्र मराठा साम्राज्य की स्थापना की। यह दिन केवल जन्मदिन ही नहीं बल्कि छत्रपति के स्वाभिमान, साहस और राष्ट्र प्रेम का भी प्रतीक है।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अंतर्मन

आज की पाती

लोकलुभावन घोषणाओं पर बढ़ता खर्च

सभी राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिए सरकारी खजाने से मुफ्त धन व अन्य वस्तुएं बांटने की घोषणा पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा याचिका स्वीकार करने का स्वागत है। सुप्रीम कोर्ट ने देश पर बढ़ते कर्ज और चुनावी लोकलुभावन घोषणाओं के बीच के खतरनाक संबंध को गंभीरता से लेते हुए जनहित याचिका की सुनवाई के लिए तत्परता दिखाई है, क्योंकि यह मुद्दा केवल चुनावी नैतिकता तक सीमित नहीं, बल्कि देश की दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता से जुड़ा है। पिछले एक दशक में राज्यों का सार्वजनिक ऋण तेजी से बढ़ा है और रिज़र्व बैंक की विभिन्न रिपोर्टें यह संकेत देती हैं कि कई राज्य अपने राजस्व का बड़ा हिस्सा केवल ब्याज चुकाने में खर्च कर रहे हैं, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत ढांचे और सुरक्षा जैसे जरूरी क्षेत्रों के लिए संसाधन सीमित हो रहे हैं।

– अंकित श्रीवास्तव, भाटापारा

ट्रेंड

द्विपक्षीय साझेदारी

क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेनकोविच के साथ सार्थक चर्चा हुई। हमने प्रौद्योगिकी, नवाचार, जहाज निर्माण, नीली अर्थव्यवस्था और आईएमईसी कॉरिडोर के माध्यम से कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने जैसे क्षेत्रों में अपनी द्विपक्षीय साझेदारी को गति देने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

जयंती पर नमन

अध्यात्म और सत्यनिष्ठ जीवन के माध्यम से विश्वबंधुत्व का संदेश देने वाले रामकृष्ण परमहंस ने सम्पूर्ण मानव जाति को एक नई दिशा दी। महान संत रामकृष्ण परमहंस जी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन।

- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

बिजनेस-फ्रेंडली सिटी

दिल्ली में व्यापार करना पहले से अधिक आसान हुआ है। सिंगल विंडो सिस्टम से तेजी से अनुमतियां मिल रही हैं, लाइसेंसिंग प्रक्रिया सरल हुई है और बिना गारंटी के लोन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। दिल्ली को बिजनेस-फ्रेंडली सिटी बनाने के लिए सरकार नीतियों में सुधार कर रही है।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

दिव्यांग विश्वविद्यालय ठप

भाजपा सरकार के बजट ने प्रदेश के विशेष योग्यजनों को पूरी तरह निराश किया है। हमारी सरकार ने 2 दिव्यांग विश्वविद्यालय दिए, जिन्हें आज ठप कर दिया गया है। इनका काम आगे बढ़ता तो ये प्रदेश के दिव्यांगों के काम आते।

अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

करंट अफेयर

पृथ्वी की कक्षा में बढ़ते उपग्रहों से बढ़ा संकट

पृथ्वी की कक्षा में तेजी से बढ़ती उपग्रहों की संख्या को लेकर वैज्ञानिकों और विधि विशेषज्ञों ने गंभीर चिंता जताई है और चेतावनी दी है कि यदि प्रभावी नियमन नहीं किया गया तो अंतरिक्ष में उपग्रहों की टक्कर होने और पर्यावरणीय क्षति का बड़ा संकट खड़ा हो सकता है। वैज्ञानिकों और विधि विशेषज्ञों का हालांकि मानना है कि समय रहते ठोस नीतिगत कदम उठाकर स्थिति को संभाला जा सकता है। अमेरिका के संघीय संचार आयोग (एफसीसी) के समक्ष 30 जनवरी 2026 को स्पेस एक्स ने समक्ष अंतरिक्ष में डेटा केंद्रों को संचालित करने के लिए अधिकतम 10 लाख उपग्रहों को भेजने की अनुमति के लिए आवेदन दायर किया। प्रस्तावित योजना के तहत 500 से 2,000 किलोमीटर की ऊंचाई के बीच निम्न पृथ्वी कक्षा में उपग्रह स्थापित किए जाएंगे। कुछ कक्षाएं लगभग निरंतर सूर्य प्रकाश में रहने के लिए डिजाइन की गई हैं। इस प्रस्ताव पर फिलहाल सार्वजनिक टिप्पणियां आमंत्रित हैं। फरवरी 2026 तक पृथ्वी की कक्षा में करीब 14,000 सक्रिय उपग्रह मौजूद हैं, जबकि लगभग 12.3 लाख प्रस्तावित उपग्रह परियोजनाएं विभिन्न चरणों में हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा स्वीकृति प्रक्रिया मुख्यत: तकनीकी पहलुओं, जैसे रेडियो आवृत्तियों और प्रक्षेपण सुरक्षा, तक सीमित है।

ऑफ बीट

22 मिनट का व्यायाम करेगा स्वास्थ्य जोखिमों को कम

विकसित देशों में लोग प्रतिदिन औसतन नौ से दस घंटे बैठे रहते हैं। चाहे वह कंप्यूटर के सामने समय बिताना हो, ट्रैफिक में फंसना हो, या टीवी के सामने आराम करना हो, हमारा जीवन तेजी से गतिहीन हो गया है। यह चिंताजनक है क्योंकि लंबे समय तक बैठे रहने से मोटापा, हृदय रोग और कुछ प्रकार के कैंसर सहित कई स्वास्थ्य समस्याएं जुड़ी होती हैं। ये स्वास्थ्य समस्याएं शीघ्र मृत्यु का कारण बन सकती हैं। एक नए अध्ययन से पता चला है कि 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए, दिन में केवल 22 मिनट व्यायाम करने से अत्यधिक गतिहीन जीवन शैली से समय से पहले मौत का खतरा कम हो सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि जो लोग दिन में 12 घंटे से अधिक समय तक गतिहीन रहते थे, उनमें मृत्यु का जोखिम सबसे अधिक था (आठ घंटे तक गतिहीन रहने वाले लोगों की तुलना में 38% अधिक जोखिम)। हालाँकि, यह केवल उन लोगों में देखा गया जो प्रतिदिन 22 मिनट से कम मध्यम से तीव्र शारीरिक गतिविधि करते थे। इसलिए जिन लोगों ने 22 मिनट से अधिक व्यायाम किया, उनके लिए अब कोई महत्वपूर्ण जोखिम नहीं था – यानी, जोखिम आम तौर पर उन लोगों के समान हो गया जो आठ घंटे तक गतिहीन थे।

दूरसंचार ऑपरेटरों को नवी मुंबई हवाई अड्डे पर नेटवर्क स्थापित करने की अनुमति दी जानी चाहिए

नवी मुंबई : दूरसंचार विभाग (ऊङ्बळ) ने अडानी समूह द्वारा संचालित नवी मुंबई हवाई अड्डे से कहा है कि वह दूरसंचार कंपनियों को हवाई अड्डे पर नेटवर्क स्थापित करने की अनुमति दे, जो राइट ऑफ वे (फङ्बह) नियमों के अनुरूप हो। इन नियमों के तहत फङ्बह आवेदनों का गैर-भेदभावपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से निपटान अनिवार्य है। दूरसंचार विभाग का यह निर्देश प्रमुख दूरसंचार कंपनियों द्वारा इस मामले को सरकार और भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के समक्ष उठाने के कुछ दिनों बाद आया है। दूरसंचार विभाग के अनुसार, हवाई अड्डा दूरसंचार अधिनियम के तहत एक सार्वजनिक संस्था के रूप में योग्य है और इसलिए, दूरसंचार कंपनियों को अधिनियम के तहत अधिसूचित आर ओडब्ल्यू नियमों के अनुसार अपना नेटवर्क तैनात करने की अनुमति दी जानी चाहिए। दूरसंचार विभाग ने अदानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स (एएएचएल) के सीईओ अरुण बंसल को लिखे पत्र में कहा, ₹दूरसंचार अधिनियम, 2023 को दूरसंचार (राइट ऑफ वे) नियम, 2024 के साथ पढ़ने पर, लाइसेंस प्राप्त टीएसपी सहित सुविधा प्रदाताओं को दूरसंचार नेटवर्क की स्थापना, संचालन और रखरखाव के लिए राइट ऑफ वे अनुमतियां

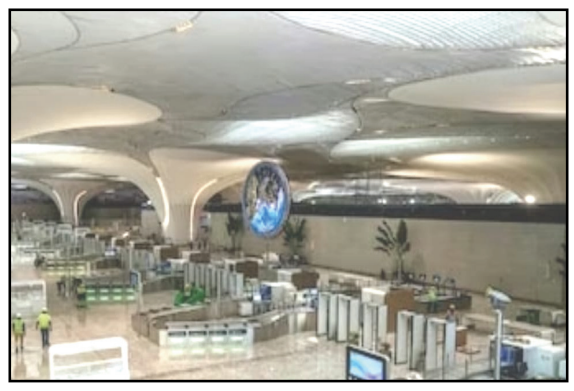

प्रदान करने के लिए एक वैधानिक ढांचा उपलब्ध होता है।₹ विभाग ने कहा कि उसे सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) से हवाई अड्डे पर नेटवर्क स्थापित करने में दूरसंचार कंपनियों द्वारा सामना की जा रही कठिनाइयों के संबंध में अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं। भारती एयरटेल, रिलायंस जियो और वोडाफोन आइडिया ने सीओएआई के माध्यम से ट्राई से संपर्क किया और आरोप लगाया कि नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (एनएमआईएएल) और उसका इन-बिल्डिंग समाधान प्रदाता सार्वजनिक हवाई अड्डे पर एक विशेष, एकाधिकारवादी दूरसंचार व्यवस्था बना रहे हैं। उडअक द्वारा ळफअक के अध्यक्ष अनिल कुमार लाहोटी को लिखे पत्र के अनुसार, ठटकअछ ने सभी ऑपरेटरों को हवाई अड्डे के ऑपरेटर या उसके सहयोगियों द्वारा स्थापित नेटवर्क का उपयोग करने के लिए बाध्य किया था, जिसकी शर्तें उनके द्वारा एकतरफा रूप से निर्धारित की गई थीं और जिसके शुल्क को दूरसंचार कंपनियों ने व्यावसायिक रूप से अव्यवहार्य बताया था। उद्योग निकाय ने दावा किया कि हवाई अड्डा प्रत्येक ऑपरेटर से लगभग 92 लाख रुपये प्रति माह की मांग कर रहा था, जो चार ऑपरेटरों के लिए सालाना लगभग 44 करोड़ रुपये बनता है, जो कि अंतर्निहित लागत के अनुपात में नहीं था।

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष
ग्राम प.ह.न. 11
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक देव प्रसाद पैकरा पिता. सहराजवा जाति कंवर निवासी ग्राम कुसमुसी प.ह.न.11 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र सबीर कुमार पैकरा का जन्म दिनांक 30.01.2007 को ग्राम कुसमुसी में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र सबीर कुमार पैकरा का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत कुसमुसी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक.. 06/03/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 17/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भैयाथान जिला - सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/अ-20(1)/2025-26,
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विकास कुमार अग्रवाल पिता राजकुमार अग्रवाल, निवासी विजय मार्ग, गुरूनानक वार्ड नं0 27. संगम चौक अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है, उसके स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि मोहल्ला गुदरी चौक, नगर अम्बिकापुर, शीट नंबर 03 स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 1141/9, रकबा 0.04 1/4 एकड़ भूमि की लीज समाप्ति तिथि 31/03/2026 है। जिसके नवीनीकरण हेतु आवेदकगण द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-27/02/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांकः- 06/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क०/अ-27/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका संतरा बाई पुत्री स्व. चन्दन, जाति रजवार, निवासी ग्राम नर्वदापारा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० द्वारा द्वारा ग्राम नर्वदापारा स्थित भूमि कुल खसरा न० 13 कुल रकबा 2.909 हे० भूमि का अनावेदकगण सावन आ० स्व. भगवत व अन्य, निवासी ग्राम नर्वदापारा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के मध्य खाता विभाजन कराने बावत आवेदन छ०ग० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा, 178 के तहत प्रस्तुत की गई है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 13/03/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा । आज दिनांक 20/02/202 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-02 जिला सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र० 202509021700009/अ-27/2024-25
आम सूचना-पत्र

एतद् द्वारा पक्षकार आनंद, अभिषेक आ० विजयनाथ, पूजा आ० विजयनाथ, मु० प्रीति पति विजयनाथ, जाति बरगाह, निवासी ग्राम मानिकप्रकाशपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सुशीला यादव पति देवराज यादव, पुत्री लालबाबू, व अन्य 02, निवासी ग्राम पाठकपुर, तहसील लटोरी, जिला-सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा ग्राम मानिकप्रकाशपुर स्थित भूमि कुल खसरा नंबर 45, कुल रकबा 2.281 हे० भूमि का आवेदिकागण एवं अनावेदक आनंद आ० विजयनाथ, व अन्य 13 के मध्य बंटवारा कराने जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में यदि आपको कोई आपत्ति हो तो आप स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दिनांक 06/03/2026 को अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि में यदि आपके द्वारा कोई दावा प्रस्तुत नहीं किया जाता है, तो यह समझ लिया जायेगा कि उक्त भूमि का आवेदिकागण एवं अनावेदक आनंद आ० विजयनाथ, व अन्य 13 के मध्य बंटवारा किए जाने से आपको कोई आपत्ति नहीं है, और प्रकरण में अग्रिम कार्यवाही की जायेगी। आज दिनांक 18/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पद मुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-02

सीएए पर 250 अन्य अर्जी भी दायर

सीजेआई ने सुनवाई को तारीख तय की 5 मई से इस पर होगी लगातार सुनवाई

12 मई को याचिकाकर्ताओं को जवाब देने का मौका मिलेगा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ दायर विभिन्न याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट 5 मई से सुनवाई शुरू करेगा। सीजेआई सूर्यकांत ने दायर याचिकाओं पर सुनवाई के लिए तारीख तय की। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) सहित 250 अन्य ने सीएए कानून पर रोक की मांग को लेकर याचिका दायर की है। आईयूएमएल ने कहा है कि सीएए कानून असंवैधानिक और मुसलमानों के खिलाफ भेदभावपूर्ण है।

सीएए के खिलाफ दायर विभिन्न याचिकाओं पर फैसला

दोनों पक्षों को पूरा मौका दिया जाएगा

याचिकाओं पर अब फाइनल सुनवाई 5 मई से शुरू करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 5 मई को याचिकाकर्ताओं की दलील सुनी जाएगी। 6 मई को आधा दिन उनकी बात जारी रहेगी। 7 मई को सरकार का पक्ष सुना जाएगा। 12 मई को अगर जरूरत हुई तो जवाब देने का मौका मिलेगा।

असम त्रिपुरा पर अलग होगी सुनवाई

कोर्ट ने कहा कि असम और त्रिपुरा से जुड़े मामले अलग हैं, इसलिए इनकी सुनवाई मुख्य मामले के बाद अलग से की जाएगी। कोर्ट का कहना है कि इन राज्यों से जुड़े मुद्दे अलग तरह के हैं, इसलिए उन्हें अलग सुनना सही रहेगा।

असम में एसआईआर कराने के लिए दाखिल याचिका खारिज की

उच्चतम न्यायालय ने असम में एसआईआर कराने का निर्देश निर्वाचन आयोग को देने के अनुरोध वाली जनहित याचिका को सुनवाई करने से इनकार कर दिया। सीजेआई ,न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने निर्वाचन आयोग की इस दलील पर संज्ञान लिया कि असम में अंतिम मतदाता सूची तैयार हो चुकी है।

उत्तर भारत की ओर जाने वाली ट्रेनों के टिकट के लिए मचा हाहाकार

मुंबईः रेल मंत्रालय जहां एक तरफ बुलेट ट्रेन शुरू करने की कवायद में जुटा हुआ है। यहां तक कि राजधानी के बाद वन्देभारत, तेजस जैसी ट्रेनों का परिचालन शुरू करवाया है वहीं दूसरी तरफ उत्तर भारत की ओर जाने वाली ट्रेनों का अप्रैल माह का टिकट मिलना टेढ़ी खीर साबित हो रहा है। यही नहीं उत्तर भारत के यात्रियों को रेल आरक्षण केंद्रों पर टिकट पाने के लिए 48 से 72 घंटे कतार लगानी पड़ रही है। उसके बाद भी रेल मंत्रालय उत्तर भारत के यात्रियों की इस समस्या को गंभीरता से नहीं ले रहा है। मिली जानकारी के अनुसार रेलवे की ओर से निर्धारित किए गए दो माह का अग्रिम आरक्षण इस समय पूरे देश के आरक्षण केंद्रों पर शुरू हो गया है। वर्तमान समय में अप्रैल महीने का आरक्षण शुरू है। गुरूवार को सुबह आठ बजे जैसे ही 20 अप्रैल की बुकिंग आरक्षण केंद्रों पर शुरू हुई एक से डेढ़ मिनट में ही सारी गाड़ियों के टिकट बुक हो गए। बताया जाता है कि मध्य रेलवे की सी एस टी, दादर, कुर्ला लोकमान्य तिलक टर्मिनस, चेंबूर, घाटकोपर, मुलुंड, थाने, कल्याण इसी तरह पश्चिम रेलवे के चर्चगेट, मुंबई सेन्ट्रल, अंधेरी, बोरिवली, विरार आरक्षण केंद्रों पर उत्तर भारत के यात्रियों को अप्रैल महीने का टिकट पाने के लिए दो से तीन दिन तक कतार लगानी पड़ रही है। राकांपा मुम्बई प्रदेश के उपाध्यक्ष संजीव उपाध्याय ने मध्य रेलवे के कुछ आरक्षण केंद्रों का दौरा करते हुए बताया कि पिछले तीन दशक से उत्तर भारत के यात्रियों को गर्मी की छुट्टी में अपने गांव जाने के लिए ट्रेन का टिकट पाने के लिए काफी मशक्कत कासामना करना पड़ रहा है।

अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन चुर्क में सैनिक सम्मेलन आयोजित

सोनभद्र। आज दिनांक 19.02.2026 को पुलिस लाइन चुर्क में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रूट आरक्षियों के साथ सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता अपर पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अनिल कुमार द्वारा की गई।सम्मेलन के दौरान प्रशिक्षणरत आरक्षियों से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं, प्रशिक्षण से संबंधित आवश्यकताओं एवं व्यवस्थागत विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

पुलिस ने किया गिरफ्तार, लगे पद पर रहते कदाचार के आरोप

एजेंसी ⏭ लंदन

अमेरिका के दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से संबंधों के मामले में ब्रिटेन में बड़ी कार्रवाई हुई है। इस मामले में पुलिस ने किंग चार्ल्स के छोटे भाई एंड्रयू माउंटबेटन विंडसर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जेफरी एपस्टीन से संबंधों को लेकर सार्वजनिक पद पर कदाचार के शक में प्रिंस एंड्रयू को गिरफ्तार किया है। गुरुवार को पूर्वी इंग्लैंड के सैंड्रिंघम एस्टेट स्थित वुड फार्म में छह बिना नंबर वाली पुलिस कारें और सादे कपड़ों में 8 पुलिस अधिकारी पहुंचे थे। एंड्रयू ने कहा कि उन्हें अपनी दोस्ती पर पछतावा है।

एंड्रयू माउंटबेटन

बिल गेट्स

एआई समिट में गेट्स ने नहीं दिया भाषण

माइक्रोसॉफ्ट के सहसंस्थापक बिल गेट्स ने एआई समिट में गुरुवार को भाषण नहीं दिया। बुधवार सुबह बिल गेट्स का नाम सूची से हटा दिया गया। गेट्स फाउंडेशन की भारत इकाई की ओर बयान में कहा गया कि यह निर्णय इसलिए लिया गया है, ताकि समिट की मुख्य प्राथमिकताओं पर पूरा ध्यान केंद्रित रखा जा सके। सूत्रों के अनुसार एपस्टीन मामला इसका एक कारण हो सकता है।

गगनयान मिशन के ड्रोग पैराशूट का सफल परीक्षण

एजेंसी ⏭ चंडीगढ़

भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान के लिए ड्रोग पैराशूट का क्वालिफिकेशन लेवल लोड टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा हुआ। क्वालिफिकेशन लेवल टेस्ट में अधिकतम उड़ान भार से ज्यादा लोड डालकर पैराशूट की मजबूती और सुरक्षा मार्जिन की जांच की गई। इस टेस्ट के बाद पक्का हुआ कि भारत मजबूत और बड़ी क्षमता वाले रिबन पैराशूट को डिजाइन और बनाने में पूरी तरह सक्षम है। साथ ही पैराशूट असली मिशन जैसी परिस्थितियों में भी सुरक्षित और ठीक तरह से काम करेगा। गगनयान मिशन में अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाने के लिए ड्रोग पैराशूट बहुत जरूरी है। जब कैप्सूल पृथ्वी के वातावरण में लौटता है, तो यही पैराशूट उसकी तेज गति को कम करने में मदद करता है।

गगनयान मिशन की सुरक्षा में महत्वपूर्ण कदम | यह पैराशूट कैप्सूल की गति को कम करता है

भारत के पास बेहतरीन तकनीक और क्षमता

डीआरडीओ ने ड्रोग पैराशूट का सफल परीक्षण किया

आरटीआरएस एक खास तरह की टेस्टिंग सुविधा है। यहां बहुत तेज रफ्तार वाली चीजों की मजबूती और उनके काम करने के तरीके की जांच होती है। इस टेस्ट के दौरान पैराशूट पर उतना दबाव डाला गया, जितना अंतरिक्ष से लौटते समय असली उड़ान में होता है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस दबाव को असली उड़ान से भी ज्यादा रखा गया था। इस सफल टेस्ट ने साबित कर दिया कि भारत के पास मजबूत रिबन पैराशूट बनाने की बेहतरीन तकनीक और क्षमता है। यह गगनयान मिशन की सुरक्षा के लिए एक बहुत जरूरी कदम माना जा रहा है।

कई टीमों ने मिलकर किया काम

यह टेस्ट बुधवार (18 फरवरी) को चंडीगढ़ स्थित टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी (टीआरबीएल) की रेल ट्रैक रॉकेट स्लेड (आरटीआरएस) सुविधा में किया गया। यह डायनेमिक टेस्ट डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) की स्पेशल हाई-स्पीड एयरोडायनेमिक और बैलिस्टिक मूल्यांकन सुविधा आरटीआरएस में पूरा हुआ। इसमें इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गनाइजेशन (इसरो) के विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर, डीआरडीओ की एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैबिलशमेंट और टीआरबीएल की टीमों ने भाग लिया।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांकः 202601020700104
मामले की श्रेणीः- राजस्व
विषयः- अ-27
सनः- 2025-2026
अंबिकापुर प.ह.न. 00015 [4683/1(0.20700)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार जगतपाल.
अनावेदक पक्षकार -जगतपाल,
ईश्तहार

आवेदक जगतपाल कुशवाहा आ० रामेश्वर प्रसाद कुशवाहा, निवासी दरीपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 4683/1 रकबा 0.207 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखों से आवेदक का नाम विलोपित कर अपने पुत्रों के मध्य दो बराबर हिस्से में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 16/03/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 15/01/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
तहसील- अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26
ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विजय कुमार अग्रवाल पिता स्व०ताराचंद अग्रवाल निवासी हाउस नंबर 601 कोतरा रोड बैकुण्ठपुर, बावली कुंवा रायगढ़ तहसील रायगढ जिला रायगढ़ छ०ग० के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित खसरा नंबर 484/9, 595/2 रकबा 0.219, 0.174 हे0 मेसे रकबा 0.191, 0.174 भूमि को अनावेदक एव्हेन्यु सुपरमार्टस, लिअंजनेय हीरानंदानी हाउंडेशन स्कूल के सामने पवई मुबई महाराष्ट्र की ओर से अधिकृत प्राधिकारी हिमांशु वर्मा, केयर ऑफ सूर्यकांत वर्मा निवासी हाउस नंबर 33 वाल फोर्ट पैनोरमा बोरिया खुर्द रायपुर छ०ग० के पास बिक्री करने का सौदा तय कर विक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 18/03/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 09/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर- सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांकः 202602020700147
विषयः- अ-6अ
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः-2025-2026
सुभाषनगर प.ह.न. 00017 [हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार कमल राय,
अनावेदक पक्षकार -
ईश्तहार

आवेदक कमल राय आ० स्व० फूलचंद राय, निवासी ग्राम सुभाषनगर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम सुभाषनगर स्थित खसरा नंबर 224/2 रकबा 0.540 हे० भूमि के राजस्व रिकार्ड में आवेदक का नाम त्रुटिवश कमल मंडल आ० फूलचंद मंडल अंकित हो गया है, जबकि वास्तविक नाम कमल राय आ० स्व० फूलचंद राय है। आवेदक के द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जॉच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 06/03/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 10/02/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
तहसील- अम्बिकापुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०/ब-121/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नथुनी प्रसाद आ० राधाकृष्ण, निवासी ग्राम सकालो बाबूपारा, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा छ०ग० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115, 116 के अंतर्गत आवेदन श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा०) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम सकालो स्थित भूमि खसरा नंबर 946/1 रकबा 0.820 हे० का नक्शा त्रुटिपूर्ण है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि के त्रुटिपूर्ण नक्शे को विक्रयपत्र में अंकित चौहदी अनुसार सुधार किये जाने हेतु निवेदन किया गया है। जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त सबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 06/03/2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।आज दिनांक 06/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-02

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/अ-20(1)/2025-26,
इश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण श्रीमती शोभा सिन्हा पति स्व० अनिल कुमार सिन्हा, सौरभ सिन्हा पिता स्व० अनिल कुमार सिन्हा, निशा सिन्हा पिता स्व० अनिल कुमार सिन्हा, जाति कायस्थ, निवासी मोहल्ला-सत्तीपारा, नेहरू वार्ड, वार्ड कमांक 25 सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल के पीछे अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है, उसके स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि मोहल्ला सत्तीपारा, नगर अम्बिकापुर, शीट नंबर 02 स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 612/2 रकबा 0.10 एकड़ भूमि की लीज समाप्ति तिथि 31/03/2026 है। जिसके नवीनीकरण हेतु आवेदकगण द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यन से दिनांक- 27/02/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 06/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजलक्ष्मी हलवाई पति राजेन्द्र कुमार हलवार निवासी जूना बिलासपुर की ओर से वास्ते मुख्तार आम ओमकुमार गुप्ता पिता सुदामा प्रसाद गुप्ता निवासी मायापुर पंचदेव मंदिर के पास अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 2372/8 रकबा 0.022 हे0 मेसे रकबा 0.002 हे0 भूमि को अनावेदक अमित अग्रवाल पिता बाबूलाल अग्रवाल निवासी संगम चौक अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राषि रुपए 2,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 25/03/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनाकः- 18/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनुपमा जोशी पनि स्व० श्यामकृष्णा जोशी व अन्य निवासी एमजी रोड होटल शैलगिरी के पास अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग) के द्वारा ग्राम भगवानपुरकला स्थित खसरा नंबर 217/2, 217/3 रकबा 0.030, 0.050 हे० भूमि को अनावेदक अच्छेलाल पिता रामवृक्ष निवासी डॉ० राजेन्द्र प्रसाद वार्ड जरही तहसील प्रतापपुर जिला सूरजपुर छ0ग) के पास अंकन राषि रुपए 99,40,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है. जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 18/03/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा अध्यत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 18/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर पंच न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

तहसीलदार
अम्बिकापुर, सरगुजा

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०/अ-20(1)/2025-26,
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अखिलेश तिवारी आ० स्व० शोभनाथ तिवारी, निवासी विजय मार्ग गुदरी चौक अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उसके स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि मोहल्ला अंधारी बगीचा, नगर अम्बिकापुर, शीट नंबर 03 स्थित नजूल मूखण्ड क्रमांक 1052/6 रकबा 0.04 एकड़ भूमि की लीज समाप्ति तिथि 31/03/2026 है। जिसके नवीनीकरण हेतु आवेदकगण द्वारा आवेदन पत्र मय मेंटनेश खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 06/03/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांकः- 17/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

स्वीपर करा रहा था प्रसव, बच्चे की हो गई मौत, डॉक्टर और स्टाफ की कमी सामने आई

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम कुन्नी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वीपर के द्वारा गर्भवती महिला का प्रसव कराने के दौरान बच्चा फंसने का मामला प्रकाश में आया है। इसकी सूचना मिलने पर डॉक्टर अस्पताल पहुंचे और प्रसव कराया, लेकिन बच्चे की मौत हो गई। प्रसूता के स्वजन का आरोप है कि समय पर डॉक्टर और नर्स अस्पताल में मौजूद रहते तो यह स्थिति निर्मित नहीं होती। घटना से स्वजन में शोक का माहौल है। इनके द्वारा न्याय की मांग की गई है।

जानकारी के मुताबिक गौरी यादव पिता सूरजमल यादव, निवासी ग्राम जमदरा का मैनपाट ब्लॉक के ग्राम सुपलगा में विवाह हुआ है। महिला गर्भावस्था में अपने मायका ग्राम जमदरा आई थी। प्रसव पीड़ा होने पर 16 फरवरी, मंगलवार की रात लगभग 11 बजे प्रसव के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुन्नी लेकर गए। आरोप है कि यहां डॉक्टर और स्टाफ नर्स मौजूद नहीं थे, जिस कारण स्वीपर श्याम पति के द्वारा जांच कर अस्पताल में प्रसूता को भर्ती करके इलाज शुरू कर दिया गया। 17 फरवरी, बुधवार की सुबह लगभग 7 बजे स्वीपर के द्वारा ही प्रसव कराया जा रहा था। प्रसव के दौरान बच्चा फंस गया। इसकी जानकारी मिलने पर डॉक्टर अस्पताल पहुंचे और प्रसव कराया, लेकिन बच्चे की मौत हो गई थी। स्वजनों का कहना है कि समय पर डॉक्टर और स्टाफ नर्स अस्पताल में उपलब्ध होते तो बच्चे के जीवित जन्म लिया होता। इनका कहना था कि कुन्नी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर, नर्स और स्टाफ की कमी के कारण क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। क्षेत्र के लोग मजबूरन होकर झोला छाप डॉक्टरों से इलाज कराने विवश रहते हैं। प्रभारी खंड चिकित्सा अधिकारी विनोद भार्गव के द्वारा समय-समय पर डॉक्टर और स्टाफ की कमी को लेकर पत्र के माध्यम से उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया है, परंतु इसके लिए किसी प्रकार की पहल नहीं हो पाई है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनने के बाद भी सुविधाएं सिफर

बता दें कि डॉक्टर और स्टाफ की कमी से जूझ रहे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुन्नी का उन्नयन हुआ है, इसके बाद इस अस्पताल को वर्ष 2025 में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बना। इसके बाद शासन-प्रशासन ने यहां समुचित व्यवस्थाएं उपलब्ध नहीं कराई, और चिकित्सा व्यवस्था पूरी तरीके से चरमरा गई है। स्टाफ और डॉक्टरों की कमी के कारण यहां पदस्थ स्वीपर सहित अन्य स्टाफ मरीज की पीड़ा को दूर करने का प्रयास करते हैं, जिससे जान जोखिम में जाने जैसी स्थिति बन सकती है।

बाइक से गिरकर घायल हुए 12वीं की परीक्षा देने जा रहे एक छात्र की मौत, दूसरा गंभीर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में शुक्रवार की सुबह 12वीं बोर्ड का पहला पेपर देने निकले दो छात्र तेज रफ्तार में एनएच 43 में अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गए। हादसे में एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई, दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना बतौली थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार, शांतिपारा में स्वामी आत्मानन्द स्कूल में पढ़ने वाले बेलकोटा निवासी निष्क एक्का और झेराडीह निवासी अनिकेश तिवारी कक्षा 12वीं बोर्ड की परीक्षा देने के लिए परीक्षा केंद्र जा रहे थे। इसी दौरान बतौली थाना क्षेत्र अंतर्गत शांतिपारा-कुनकुरी मुख्य मार्ग पर उनकी बाइक सड़क किनारे पड़ी गिट्टी में फिसल गई। तेज रफ्तार के कारण बाइक करीब 20 मीटर तक घिसटती चली गई। हादसे में निष्क एक्का की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अनिकेश तिवारी गंभीर रूप से घायल हो गया है। घटना के बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायल छात्र को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति गंभीर देखते हुए चिकित्सक ने उसे बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर रेफर कर दिया है। घटना की सूचना मिलने पर बतौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल है। बता दें कि छत्तीसगढ़ में 12वीं बोर्ड की परीक्षाएं शुक्रवार को शुरू हुई हैं, और परीक्षा केन्द्र में पहुंचने में विलम्ब न हो, इसे देखते हुए छात्र तेज रफ्तार में जा रहे थे और सड़क के किनारे गिरी मिट्टी में दोपहिया का संतुलन बिगड़ गया, जिस कारण एक छात्र की जान चली गई। स्वजन के अनुसार हादसे में क्षतिग्रस्त हुई बाइक अनिकेश तिवारी की थी। वह बाइक लेकर बेलकोटा गया और निष्क को साथ लेकर परीक्षा देने निकला था। निष्क इससे पहले बस से ही स्कूल आता-जाता था, पहली बार दोस्त के साथ बाइक से स्कूल गया था। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम करके मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

नया भारत युवाओं का भारत-प्रो. किशन यादव

पीजी कॉलेज में अर्थशास्त्र विभाग द्वारा तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राजीव गांधी शासकीय पीजी कॉलेज में विगत तीन दिनों से चल रही अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन क्रांतिवीर तात्या टोपे विश्वविद्यालय, गुना के कुलपति प्रो. किशन यादव के मुख्य आतिथ्य में हुआ। संगोष्ठी के समापन सत्र में विशिष्ट अतिथि प्रो. आर.एन. सिंह, प्रति-कुलपति, भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग रहे। मुख्य अतिथि प्रो. किशन यादव, अकादमिक जगत के जाने माने शिक्षाविद एवं मध्य प्रदेश के सबसे युवा कुलपति थे।

छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान में सतत विकास में अर्थशास्त्र की भूमिका पर शोध की आवश्यकता है। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षक को अपने कर्तव्य के बारे हमेशा सचेत रहना चाहिए। हमें निरंतर विचार करना चाहिए कि सामाजिक समस्याओं जैसे आर्थिक असामनता, बेरोजगारी और अशिक्षा से कैसे निजात पाया जाए। यदि हमें जीवन में सफल व्यक्ति बनना है तो तीन चीजों का ध्यान रखना आवश्यक है-सुनने, लिखने एवं बोलने की क्षमता। भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग के प्रति-कुलपति प्रो. आर.एन. सिंह ने अपने उद्बोधन में छत्तीसगढ़ की अर्थव्यस्था, प्राकृतिक संपदा एवं सतत विकास की बात कही। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अनिल कुमार सिन्हा ने संगोष्ठी में पधारे अतिथिगणों का स्वागत करते हुए कहा कि संगोष्ठी का लाभ अकादमिक जगत के शिक्षाविद एवं शोधार्थियों को अवश्य मिलेगा। कार्यक्रम में पीजी कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. जय नारायण पांडेय द्वारा लिखित पुस्तक 'आध्यात्मिक समाजवाद: सतयुग के चरण' का विमोचन किया गया। तकनीकी सत्र में विधि विभाग से सहायक प्राध्यापक डॉ. माधवेन्द्र तिवारी ने अपना शोध कार्य प्रस्तुत किया। एसेड्स के चीफ कांफ्रेंस कन्वीनर प्रो. विनोद कुमार श्रीवास्तव एवं एसेड्स टीम द्वारा संगोष्ठी के अंतिम चरण में ऐसेड्स द्वारा ज्ञान रत्न पुरस्कार प्रो. किशन यादव, कुलपति, तात्या टोपे विश्वविद्यालय, गुना, मध्य प्रदेश को दिया गया। ऐसेड्स की कोषाध्यक्ष एवं ललित कला विभाग, राममनोहर लोहिया विश्वविद्यालय, अयोध्या की डॉ. सरिता द्विवेदी द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई। समापन सत्र में प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह एवं रामनामी से मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं अन्य अतिथियों का सम्मान किया गया। प्रदर्शनी में प्रदर्शित स्मृति चिन्हों से भी अतिथियों को सम्मानित किया गया। समापन कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. एस.एन. पांडेय, प्रो. राजकमल मिश्र, प्रो. प्रतिभा सिंह, प्रो. जरमिना तिर्की उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्राध्यापकों को संगोष्ठी में विशेष योगदान के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर एक्सीलेंस अवार्ड द्वारा सम्मानित किया गया। प्राचार्य प्रो. सिन्हा ने बताया कि संगोष्ठी में प्रस्तुत किए गए शोध पत्र चर्चा का विषय रहे और महाविद्यालय में अकादमिक गतिविधियों का संचालन इसी तरह संपन्न होता रहेगा, महाविद्यालय निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। मंच संचालन डॉ. राश्मीत कौर एवं डॉ. हर्षदीप सिंह धंजल ने एवं धन्यवाद ज्ञापन अर्थशास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. रजनी सारथी ने दिया।

कुसमी कांड में करौंधा पुलिस भी एसडीएम के बराबर दोषी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नंगे पांव सत्याग्रह के संयोजक राजेश सिंह सिसोदिया ने गृह मंत्री व सरगुजा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक से 'विगत एक साल से राहुल जायसवाल, खनिज विभाग, करौंधा पुलिस व हंसपुर गांव के कुछ लोगों के गठजोड़ से हंसपुर में अवैधानिक बॉक्साइट उत्खनन को संगठित रूप से अंजाम देने की घटना' की जांच की मांग की है। उन्होंने कहा है कि भगवती इंटरप्राइजेज डाल्टेनगंज के राहुल जायसवाल की भूमिका कहां से आ गई, जबकि उन्हें हंसपुर में कोई खदान आबंटित ही नहीं है।

इन बिंदुओं पर की जाए जांच

ज्ञापन में समुचित व निष्पक्ष जांच हेतु करौंधा के वर्तमान थाना, चौकी प्रभारी को स्थानांतरित कर इन बिंदुओं पर जांच की मांग की गई है। एसडीएम के साथ गए मंजीत यादव को किसने पीटा? क्या मारपीट एकतरफा थी? जिस ट्रक को एसडीएम ने जप्त किया था, वह कुसमी कैसे पहुंची व उस पर क्या कार्रवाई हुई? क्या करौंधा थाने ने एसडीएम को बल उपलब्ध कराया था? मृतक राम लकड़ा के साथियों को मारपीट में कितनी चोटें आईं? करौंधा पुलिस व खनिज विभाग ने हंसपुर गांव के अवैध उत्खनन पर कितनी बार कार्रवाई की और किसे दंडित किया? राहुल जायसवाल से एसडीएम ने कब और किस बाबत पांच लाख रुपये की मांग की? मंजीत यादव का मोबाइल जप्त हुआ या नहीं?

पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने करोड़ों रुपए के निर्माण कार्यों का किया भूमि पूजन

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड के ग्राम केवरा धन उपार्जन केंद्र में निर्माण कार्यों की भूमि पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ के पर्यटन संस्कृति धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल शामिल हुए। जहां पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने जमगला, लहपटरा केवरा, निम्हा, पुहपुटरा, उपार्जन केंद्रों में लगभग एक करोड़ 40 लाख रुपए के क्वार्हड प्लेटफार्म और बाउंड्री वॉल निर्माण कार्यों का विधिवत भूमि पूजन किया है। पुहपुटरा धान उपार्जन केंद्र में कहवर्ड प्लेट फॉर्म निर्माण 10 लाख , निम्हा धान उपार्जन केंद्र में बाउंड्री वॉल निर्माण कर29.96 लाख, केवरा धन उपार्जन केंद्र में बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य 29.96 लाख, लहपटरा धान उपार्जन केंद्र में कहवर्ड प्लेट फॉर्म व बाउंड्री निर्माण कार्य 34.96 लाख, जमगला धान उपार्जन केंद्र में कहवर्ड प्लेटफॉर्म बाउंड्री वॉल 34.96 लाख रुपए के निर्माण कार्यों होना है।

दुर्घटना संभावित क्षेत्र घोषित मोहरा ऐनीकट, सेल्फी व स्नान पर प्रतिबंध

छ.ग.फ्रंटलाइन सूरजपुर। जिले के रामनगर एवं नयनपुर के समीप रिहन्द नदी पर निर्मित मोहरा ऐनीकट को दुर्घटना संभावित क्षेत्र घोषित करते हुए जल संसाधन विभाग ने चेतावनी सूचना बोर्ड स्थापित किया हैं। विभाग ने ऐनीकट के ऊपर सेल्फी लेने तथा पानी में स्नान करने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। विभागीय जानकारी के अनुसार ऐनीकट के दोनों किनारों एक ग्राम रामनगर तथा दूसरा ग्राम नयनपुर में स्पष्ट चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं, ताकि आने वाले नागरिक व पर्यटक समय रहते सतर्क रह सकें। अधिकारियों ने बताया कि ऐनीकट क्षेत्र में अचानक जलस्तर बढ़ने और तेज बहाव की संभावना बनी रहती है, जो जानलेवा साबित हो सकती है। विशेष रूप से बच्चों और युवाओं को ऐसे स्थानों पर लापरवाही न बरतने की सलाह दी गई है। जल संसाधन विभाग ने कहा कि रोमांच या फोटोग्राफी के उद्देश्य से ऐनीकट पर जाना गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। विभाग ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे स्वयं सावधानी बरतें और अपने परिजनों व परिचितों को भी जागरूक करें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

अंकित सिंह बने युवा मोर्चा मंडल मंत्री

छ.ग.फ्रंटलाइन जरही। भारतीय जनता युवा मोर्चा मंडल जरही में संगठन विस्तार के तहत सक्रिय कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। इसी क्रम में अंकित सिंह को मंडल मंत्री नियुक्त किया गया है। संगठन की ओर से बताया गया कि अंकित सिंह लंबे समय से पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते रहे हैं और युवाओं के बीच संगठन को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं। उनकी नियुक्ति से मंडल की गतिविधियों में और अधिक सक्रियता आने की उम्मीद है। भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश सिंह एवं भाजयुमो मंडल अध्यक्ष प्रतीक जायसवाल ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि युवा कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देना संगठन की प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि अंकित सिंह अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ करेंगे। अंकित सिंह ने नियुक्ति पर शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे। इस अवसर पर मंडल के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजयुमो मंडल में संगठन विस्तार के तहत नवनियुक्त पदाधिकारियों की घोषणा

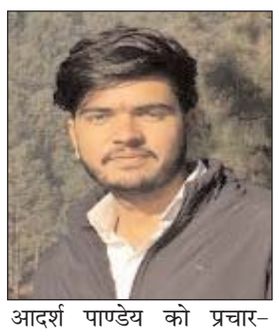

छ.ग.फ्रंटलाइन जरही। भारतीय जनता पार्टी के मंडल जरही में संगठन को अधिक सुदृढ़ एवं आधुनिक स्वरूप देने के उद्देश्य से नई नियुक्तियों की घोषणा की गई है। इसी क्रम में भास्कर तिवारी को उपाध्यक्ष, विकास तिवारी को महामंत्री, आदर्श पाण्डेय को प्रचार-प्रसार सह प्रमुख, अमित सिंह (बिट्टू) को मीडिया प्रभारी, प्रांजल तिवारी और किशन पैकरा को विधि एवं तकनीकी सह प्रमुख नियुक्त किया गया है। भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश सिंह एवं भाजयुमो मंडल अध्यक्ष प्रतीक जायसवाल ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि वे संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे और युवाओं को पार्टी की विचारधारा से जोड़ने में अहम भूमिका निभाएंगे। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने कहा कि वे संगठन के प्रति पूरी निष्ठा और समर्पण भाव से कार्य करेंगे और संगठन को मजबूत और सक्रिय बनाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे। इस अवसर पर मंडल के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जेल की चारदीवारी को सुधार गृह के रूप में करें विकसित : जयवर्धन

युवा बंदियों के पुनर्वास हेतु जिला जेल में हुआ निश्चय कार्यक्रम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं छत्तीसगढ़ द्वारा निश्चय कार्यक्रम की शुरूवात की गई है जिसमें युवा बंदियों के पुनर्वास की पहल करना है। इसमें मुख्य रूप से 18 से 30 वर्ष की आयु वर्ग के अपराधियों को पुन: अपराध में नहीं लौटने के लिए प्रेरित करना तथा पुनर्वास के लिए कौशल विकास हेतु प्रोत्साहित करना है। गुरूवार को कलेक्टर एस. जयवर्धन एवं एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने यहां के जिला जेल में निश्चय कार्यक्रम में विचाराधीन बंदियों के पुनर्वास, उनकी सोच में सकारात्मक बदलाव और उन्हें मुख्यधारा में वापस लौटने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि जेल की चारदीवारी को केवल सजा का स्थान न मानकर, उसे सुधार

गृह के रूप में विकसित करें, अच्छे कार्यो को सीखे, गलत कार्यो से दूर रहे, अपने कार्य व्यवहार में सुधार लाए और यहां से बाहर निकलने पर एक नई शुरूवात करें। सकारात्मक बदलाव के लिए योग, ध्यान और काउंसलिंग सत्र का भरपूर उपयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया।

कार्य व्यवहार में लाएं सुधार और जेल से निकलने पर करें एक नई शुरूवात : प्रशांत

एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्धेश्य युवा बंदियों के पुनर्वास, उनकी सोच में सकारात्मक बदलाव और उन्हें मुख्य धारा में वापस लाने के लिए एक सुधारात्मक पहल है जिसमें शिक्षा, कौशल विकास, संस्कार और स्वास्थ्य पर केंद्रित है। उन्होंने विचाराधीन बंदियों से कहा कि आपने जो किया उसे यहां भुले और बाहर निकलने पर नए सकारात्मक विचार के साथ आगे बढ़े, गलत कार्यो से दूरी बनाते हुए समाज में लोगों, युवा पीढ़ी को गलत कार्यो व अपराध से दूरी बनाने के लिए प्रोत्साहित करें ताकि युवा पीढ़ी गलत कार्यो में न फंसे। निराशा को दूर कर एक नई शुरूवात को अवसर देने यह एक व्यापक सुधारात्मक प्रयास है जिसका लाभ उठाने हेतु सभी को प्रेरित किया। जिला जेल अधीक्षक अक्षय तिवारी ने बंदियों को बताया कि पुलिस महानिदेशक जेल छत्तीसगढ़ हिमांशु गुप्ता के मार्गदर्शन में निश्चय कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसके तहत बंदियों को अपराध से दूर रहने, कानून का पालन करने और बाहर जाकर समाज के उपयोगी नागरिक बनाने के लिए प्रेरित करना है, इसके लिए योग, आर्ट ऑफ लिविंग व कानूनी जागरूकता के आयोजन नियमित की जा रही है। आगामी दिनों में कौशल विकास के तहत विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण भी दिए जायेंगे ताकि रिहाई के बाद बंदी आत्मनिर्भर बन सके। इस अवसर पर विचारधीन बंदी व जेल स्टाफ मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री और केंद्रीय जलशक्ति मंत्री की अध्यक्षता में जल संचय-जन भागीदारी 2.0 अभियान की हुई गहन समीक्षा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल की संयुक्त अध्यक्षता में जल संचय-जन भागीदारी 2.0 अभियान के क्रियान्वयन को लेकर उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। केंद्रीय मंत्री श्री पाटिल इस बैठक में वर्चुअली शामिल हुए और बैठक को संबोधित किया। इस वर्चुअल बैठक में बिलासपुर, दुर्ग और सूरजपुर जिले के कलेक्टरों ने अपने-अपने जिलों में अभियान के अंतर्गतसंचालित कार्यों और गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

बैठक में जल संचय कार्यों को गति देने के लिए सरकार, समाज और निजी क्षेत्र की त्रिस्तरीय भागीदारी पर विशेष बल दिया गया। इसके लिए 03-ष्ट सूत्र - कोस्ट, समुदाय की सहभागिता एवं सीएसआर कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व को प्रभावी रूप से उपयोग में लाने के निर्देश दिए गए। बैठक में 31 मई तक समूचे छत्तीसगढ़ में 10 लाख जल संरचनाओं के निर्माण एवं उनकी जियोटैगिंग पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। यह कार्य जन भागीदारी के माध्यम से संपन्न किया जायेगा, ताकि समाज के प्रत्येक वर्ग की इसमें सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित हो सके।

जिले के लिए विशेष निर्देश

सूरजपुर जिले के संदर्भ में विशेष रूप से निर्देश दिए गए कि जिले में निर्धारित लक्ष्य को बढ़ाया जाये तथा अधिक से अधिक संरचनाओं की जियोटैगिंग शीघ्र पूर्ण की जाये। उल्लेखनीय है कि जल संचय जन भागीदारी अभियान का उद्देश्य भूजल स्तर को बनाए रखना, वर्षा जल के संरक्षण को बढ़ावा देना और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करना है। जिला प्रशासन इस अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रहा है। एनआईसी कक्ष में कलेक्टर एस. जयवर्धन, जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र पाटले, अरुण कुमार मिश्रा व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में आरटीओ में दलालों से मुक्ति करने होगी नई व्यवस्था

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। परिवहन विभाग में दलालों से मुक्ति पाने के लिए शीघ्र ही नई सुविधा दी जाएगी। इसके लिए रायपुर के अलावा संभाग स्तर पर परिवहन एजेंट नियुक्त किए जाएंगे।

मली जानकारी के अनुसार भारत शासन ने अपने राजपत्र में प्रकाशित किया है कि परिवहन विभाग में आए दिन रजिस्ट्रेशन तथा आरसी बुक तथा वाहनों के ट्रांसफर को लेकर कई परेशान होती है, परिवहन विभाग में बड़ी संख्या में एजेंट काम करते है, लेकिन वे लाइसेंसी नहीं होते है। जिससे कारण आए दिन लोगों को उंची फीस एवं मोटी रकम देकर काम कराना पड़ता है। राजधानी में वाहन बिक जाते हैं, लेकिन नंबर नहीं मिल जाता जिससे पुलिस वाले आम लोगों को परेशान करते हैं।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रावांभाठा द्वारा जारी निर्देशानुसार नए परिवहन एजेंट नियुक्त किए जाएंगे, जिसके लिए प्रत्याशियों की आहर्ता तथा शैक्षणिक योग्यता की जानकारी मांगी जा रही है, इसके पश्चात उन्हें नियुक्त किया जाएगा। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद आरटीओ कार्यालय में सभी कार्य का निष्पादन कर सकेंगे।

आरसेटी में हुआ राजमिस्त्री प्रशिक्षण, दिए गए प्रमाण पत्र

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा संचालित आरसेटी

में आयोजित राजमिस्त्री प्रशिक्षण शुक्रवार को सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण के बाद प्रशिक्षित अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक प्रमोद तिवारी, संकाय सदस्य मयंक तिवारी एवं परमानंद उपस्थित रहे। निदेशक ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि कौशल विकास आधारित प्रशिक्षण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाते हैं।प्रशिक्षण अवधि के दौरान अभ्यर्थियों को भवन निर्माण कार्य, ईंट-गारा कार्य, प्लास्टरिंग, माप-तौल, लेवलिंग सहित निर्माण से संबंधित व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को तकनीकी दक्षता देकर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाना है। संकाय सदस्यों ने प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण से प्राप्त कौशल का उपयोग कर स्वयं का रोजगार स्थापित करने तथा क्षेत्र के विकास में योगदान देने की सलाह दी।

वैशाली नगर और कोहका के शिविरों में उपभोक्ताओं ने जानी आधुनिक बिजली प्रबंधन की खूबियाँ

दुर्ग, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा उपभोक्ताओं को अत्याधुनिक सुविधाओं से अवगत कराने के उद्देश्य से चलाए जा रहे स्मार्ट मीटर जागरूकता पखवाड़ा के तहत दुर्ग शहर वृत्त के विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम नगर संभाग पश्चिम भिलाई के वैशाली नगर जोन में एकता चौक, लोहिया रोड और कोहका जोन के तहत मंगल बाजार, पुरानी बस्ती में संपन्न हुए। कार्यक्रम के दौरान बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर की उपयोगिता, सटीक बिलिंग प्रक्रिया और बिजली खपत में पारदर्शिता के बारे में विस्तार से बताया गया। दोनों ही स्थानों पर आकर्षक नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया गया, जिसके माध्यम से स्मार्ट मीटर के लाभों को सरल और मनोरंजक तरीके से आम जनता तक पहुँचाया गया। शिविर में उपभोक्ताओं को मोर बिजली ऐप डाउनलोड करवाया गया, ताकि वे अपने मोबाइल पर ही हर आधे घंटे की वास्तविक समय में बिजली खपत की निगरानी कर सकें। कार्यक्रम में उपभोक्ताओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। वैशाली नगर जोन से 32 और कोहका जोन से 35 उपभोक्ताओं ने स्मार्ट मीटर को लेकर अपना सकारात्मक फीडबैक दर्ज कराया। इस अवसर पर नगर संभाग पश्चिम भिलाई के कार्यपालन अभियंता नवीन राठी, कार्यपालन अभियंता, स्काडा/डी एम एस सुगीता ठाकुर, सहायक अभियंता श्रीमती सीमा बघेल, सुमाया भारती एवं अजय कुमार सिंह, कनिष्ठ अभियंता सुरेश सोनी, प्रकाश रामटेके, श्रीमती सोनम प्रजापति एवं ललित पटेल के साथ जीनस पावर की टीम और अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं के अत्याधुनिक तकनीक से सशक्त बनाना और स्मार्ट मीटर के अद्वितीय लाभों से परिचित कराकर एवं स्मार्ट मीटर को लेकर व्याप्त भ्रांतियों को दूर करते हुए, उन्हें निर्बाध बिजली सेवाओं और सटीक बिलिंग के नए दौर की ओर ले जाना है।

मां सर्वेश्वरी प्रीमियर लीग 2026 के खिताबी मुकाबले में बिहारपुर टाइगर्स रही विजेता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी-बिहारपुर। क्षेत्र के महुली में श्री सर्वेश्वरी समूह के अवधूत भगवान राम कुष्ठ सेवा आश्रम द्वारा आयोजित मां सर्वेश्वरी प्रीमियर लीग क्रिकेट कौशल निर्माण खेल महाकुंभ

16 दिनों तक चला खेल महाकुंभ

2026 का गुरुवार को समापन हुआ। 3 फरवरी से प्रारंभ इस प्रतियोगिता में 7 फ्रेंचाइजी के 105 क्षेत्रीय खिलाड़ी शामिल हुए। 16 दिनों तक खिलाड़ियों को विशेष प्रशिक्षण देकर उनके खेल कौशल को निखारा गया। प्रतियोगिता का संचालन इंडियन प्रीमियर लीग की तर्ज पर प्वाइंट टेबल प्रणाली से किया गया। फाइनल मैच बिहारपुर टाइगर्स और अवंतिकापुर टाइटल्स के बीच खेला गया। बिहारपुर ने टॉस जीतकर 12 ओवर में 200 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में

अवंतिकापुर टीम 190 रन ही बना सकी। इस तरह बिहारपुर टाइगर्स की टीम विजेता रही।

पूरी श्रृंखला के दौरान कई शानदार शतक लगे, 6 गेंदों पर 6 छक्के जड़े गए और गेंदबाजों ने हैट्रिक लेकर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।आयोजन का मुख्य उद्देश्य पिछड़े क्षेत्र के युवाओं को खेल का मंच प्रदान करना, अनुशासन और समर्पण की भावना विकसित करना तथा उन्हें बड़े स्तर पर खेलने के लिए तैयार करना रहा। 105 खिलाड़ियों को नि:शुल्क वस्त्र व अघोरेश्वर संदेश एवं स्वतंत्रता रक्षा पंपलेट वितरण किया गया। 251 लोगों को भंडारा एवं महाप्रसाद,शाखा अंबिकापुर द्वारा 30 लॉकेट, 80 पुस्तकें, क्रिकेट किट एवं 30 ट्रैकसूट प्रदान किए गए।

पूजा-प्रार्थना के साथ परम पूज्य अघोरेश्वर महाप्रभु अवधूत भगवान राम जी एवं पूज्यपाद बाबा गुरुपद संभव राम जी के आशीर्वाद से आयोजन का समापन हुआ। कार्यक्रम में समर विजय सिंह तोमर, प्रमोद श्रीवास्तव, बृजेश राय, रमेश यादव, मिथिलेश यादव, पूनम चंद गोयल सहित शाखा अंबिकापुर व मकरी कुटिया के पदाधिकारी तथा क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हर घर तक योजनाओं का लाभ दिलाना लक्ष्य : विधायक भूलन

जनसंवाद मजबूत हो रहा विश्वास, लोगो की समस्याएं सुनने गांव-गांव पहुंच रहे विधायक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जनप्रतिनिधि सिर्फ मंच तक सीमित न रहे, बल्कि चौपाल तक पहुंचे - इसी सोच के साथ प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी गुरुवार को ग्राम नेवरा, झांसी, बसदेई, लोधिमा, उंचडीह, तेदुपारा, सरमा और पसला के दौरे पर पहुंचे।इस दरम्यान गांव की गलियों में पैदल चलकर, घर-घर दस्तक देकर और चौपाल में बैठकर उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। उनकी कार्यशैली में सादगी और सहजता साफ झलकती है, न कोई औपचारिकता, न दूरी, बल्कि अपनत्व के साथ समस्याएं सुनना और मौके पर ही समाधान की दिशा तय करना है। विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि योजनाओं का लाभ तभी सार्थक है जब वह अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे केवल संगठन तक सीमित न रहें, बल्कि हर पात्र हितग्राही तक योजना की जानकारी पहुंचाएं। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं-कहीं सड़क की मांग, कहीं पेयजल की समस्या, तो कहीं राशन वितरण की चिंता। विधायक ने भरोसा दिलाया कि संबंधित अधिकारियों को तत्काल निर्देश दिए जाएंगे और समाधान में विलंब नहीं होने दिया जाएगा।

गरीबों के हक पर नहीं होगी कोई समझौता

जनसंपर्क कार्यक्रम के बाद विधायक ने ग्राम पंचायत नेवरा की उचित मूल्य दुकान का औचक निरीक्षण किया। चावल वितरण व्यवस्था का जायजा लेते हुए उन्होंने हितग्राहियों से सीधा सवाल किया कि क्या समय पर राशन मिल रहा है..? ग्रामीणों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने पर उन्होंने संतोष जताया, लेकिन साथ ही सेल्समैन को सख्त चेतावनी भी दी कि गरीबों के हक में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रेमनगर विधायक की कार्यशैली में एक सक्रिय और संवेदनशील जनप्रतिनिधि की झलक दिखती है। वे अक्सर बिना पूर्व सूचना गांवों का दौरा कर जमीनी हकीकत जानने की कोशिश करते हैं। लोगों से सीधे संवाद कर भरोसा कायम करना और प्रशासन को जवाबदेह बनाना उनकी प्राथमिकता में शामिल है। बहरहाल इस कार्यक्रम में सूरजपुर ग्रामीण भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय राजवाड़े, सागर सिंह सहित मंडल के पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। ग्रामीणों में विधायक के आगमन को लेकर उत्साह और आत्मीयता का माहौल देखा गया। वहीं दूसरी तरफ विधायक श्री मरावी ने अंत में कहा, जनता का विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। जब तक हर घर तक योजनाओं का लाभ और विकास की रोशनी नहीं पहुंचेगी, तब तक हमारा प्रयास जारी रहेगा।

जन आरोग्य समिति व पंचायत प्रतिनिधियों का दो दिवसीय स्वास्थ्य प्रशिक्षण सम्पन्न

महासमुंद, छ.ग. फ्रंटलाइन। ग्राम पंचायत अचानकपुर में जन आरोग्य समिति के सदस्यों एवं पंचायत प्रतिनिधियों के लिए दो दिवसीय स्वास्थ्य सुदृढ़ीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य समुदाय में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी को जमीनी स्तर तक पहुँचाना है।

प्रशिक्षण के पहले दिन ग्राम के आयुष्मान आरोग्य मंदिर से जुड़ी जन आरोग्य समिति के सदस्यों को स्वास्थ्य शिक्षा, प्रचार-प्रसार एवं शासन द्वारा उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को आयुष्मान भारत योजना, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं, रोकथाम एवं समय पर उपचार के महत्व पर प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण के दूसरे दिन पंचायत के जनप्रतिनिधियों के साथ पंचायत को स्वस्थ पंचायत के रूप में विकसित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान मातृ मृत्यु, शिशु मृत्यु, कुपोषण, मानसिक स्वास्थ्य एवं समुदाय को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम की व्यवस्था में ग्राम पंचायत अचानकपुर के सरपंच ऋषि चौधरी एवं सचिव रामकुमार नायक का विशेष सहयोग रहा। प्रशिक्षण में पीएचसी सिरपुर प्रभारी वीरेंद्र कुमार नायक सहित सीएचसी रायतुम, जलकी, अचानकपुर क्षेत्र की जन आरोग्य समिति द्वारा सक्रिय सहभागिता निभाई गई। दूसरे दिन के प्रशिक्षण में जलकी सरपंच श्रीमती सरिता दीवान, छपोराडीह सरपंच श्रीमती सोनिया रमन, बंदोरा सरपंच हीरालाल निषाद, उपसरपंच भानु प्रताप पटेल, उपसरपंच जलकी गोल्डी साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने सहयोग किया। प्रशिक्षण में जिला समन्वयक जागृति बरेठा, प्रशिक्षक देवकी साहू, चारू दीवान एवं एसपीएस हेमवती द्वारा विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने अपने-अपने पंचायत क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियों को सक्रिय रूप से संचालित करने का संकल्प लिया।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ-2/2025-26

ईश्तहार

एतद द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पतरापाली को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती उमा देवी पति ब्रम्हानन्द दुबे निवासी ग्राम पतरापाली तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा अपने आधिपत्य की भूमि ग्राम पतरापाली स्थित भूमि खसरा नंबर 995/5 रकबा 0.04 हे. कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, रजिस्ट्री की छायाप्रति, बी-1, खुसरा, नक्शा, सरगुजा सेटलमेंट, रिनबरिंग सूची की छायाप्रति एवं ग्राम पंचायत पतरापाली का अन्नापति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 03/03/2026 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावाध्आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। उसके पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगां आज दिनांक 17/02/2026 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
रामानुजनगर
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर
निविदा आमंत्रण तिथि- 18.02.2026
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Log in करें http://eproc.cgstate.gov.in
02. संबंधित संभाग-पत्थलगांव संभाग
03. स.क्र. -1 'स' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार
04. ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि स.क्र. 1- 11.03.2026

सरल क्र.	एनआईटी क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
1	234	जिला जशपुर के ग्राम पंचायत कर्राबेवरा में पखनापारा माड़ो गुफा पहुंच मार्ग लम्बाई 1.50 किमी.का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	186.36

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

जी-252606783/2

विश्वास निर्माण गौरव विष्णु का सुशासन

समावेशी विकास और जनकल्याण का आधार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

महिला सशक्तीकरण

महतारी वंदन योजना
68.39 लाख
महिलाओं को 24 किस्तों में कुल
₹15,588.36 करोड़
अंतरित

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना
37 लाख
से अधिक महिलाएं लाभांवित

महतारी सदन
368 महतारी सदनों
के निर्माण हेतु
₹108.78 करोड़
स्वीकृत

युवा सशक्तीकरण

आयु सीमा
सरकारी नौकरियों में अधिकतम आयु सीमा में
5 वर्ष की छूट

पदों पर भर्ती
लगभग 32,000
रिक्त शासकीय पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी

उद्यम क्रांति योजना
स्वरोज़गार के लिए
50% सब्सिडी
पर ब्याज मुक्त ऋण

किसान कल्याण

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि
26 लाख
किसान लाभांवित

धान
₹3100/क्विंटल और
21 क्विंटल/एकड़
की दर से धान खरीदी

बैंक राशि
दो वर्षों में किसानों के खातों में
₹1.50 लाख करोड़
से अधिक की राशि अंतरित

औद्योगिक विकास

नई औद्योगिक नीति लागू
₹7.83 लाख करोड़
से अधिक का मिला निवेश प्रस्ताव

औद्योगिक हब
नया रायपुर
बन रहा औद्योगिक हब

चिप यूनिट
₹1100 करोड़
की लागत से चिप यूनिट स्थापित

26 लाख
से अधिक आवास स्वीकृत

400 से अधिक
प्रशासनिक सुधार से निवेश की राह आसान

पारदर्शिता लाने सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन

₹51,080 करोड़
से रेल परियोजनाओं का हो रहा क्रियान्वयन

₹40 हज़ार करोड़
से अधिक लागत से राष्ट्रीय राजमार्गों का हो रहा विकास

आर.ओ. नं.-46967/57

सरल, सहज और उदार व्यक्तित्व वाले माननीय मुख्यमंत्री
श्री विष्णु देव साय जी को **हार्दिक शुभकामनाएं**

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर